जून 2020, वर्ष 1 अंक 5 ● हिंदी मासिक समाचार पत्रिका ● 1816/J.A.III-2019 ● www.newsbucket.in ● मूल्य 10 रूपये /-

न्यूज़ बकेट

6 साल बेमिसाल

कोरोना ने किया बुरा हाल!

Ambition SCHOOL
VARANASI

ADMISSION OPEN
For New Session 2020-21
From Play Group to Class 6

CBSE PATTERN

From last 3 years we are pioneer in polytechnic and our students in Ambition institute of technology are creating history by ranking first in U.P . And now for creating the same history we are starting **Ambition School**

100% ADMISSION FEES FREE FOR FIRST 100 ADMISSION ON FIRST COME FIRST SERVE BASIS

- Globally Benchmarked CBSE pattern Curriculum with Indian Values.
- Spread over 8 acres of lush green land with state of the art infra-structure.
- Digital Classroom and Wi-Fi Internet facility.
- Sprawling playground for Football, Cricket, Volleyball, Badminton and Athletics etc.
- Separate Labs for efficient study of Science, Music, Dance, Art & Craft, Language, Yoga & Theater.
- Latest educational equipments and modern user friendly furnitures.
- Leisure Time Activities - Different Clubs, Vocal Music, Science Club, Public Speaking, Chess, Carrom, Western & Classical dance.
- 50+Activities for Holistic Development.
- Trained & Qualified Teachers for quality education.
- Only 30 students in one class (Maximum 40 in higher classes)
- Specially designed mobile app for better communication between teachers and parents
- Special arrangements for security & medical assistance.

Classroom

Digital Board Everywhere

50+ Activities

Mob.: 7081005522, 7081005533, 7081005544

G.T. Road, Parao, Near Puneet Automobiles, Varanasi - 221102 (U.P.)
Tel.: 0542- 2338839/41, E-mail : ambitionschoolvns@gmail.com

भीतर

महामारी ने मारी पलटी, महाराष्ट्र से चलकर यूपी पहुंच रहा कोरोना

कोरोना महामारी ने विश्वभर में तबाही मचा रखी है। ऐसे में अगर बात भारत की करें तो भारत कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अछूता नही है,
पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 12 पर...**

वाराणसी में लॉक डाउन के कारण 20 मार्च से बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर के कपाट को बंद कर दिया गया है। मन्दिर में भक्तों को जाने के की इजाजत नही है।
पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 14 पर...**

लॉक डाउन में बाबा विश्वनाथ के करें ऑनलाइन दर्शन

कोरोना संकट के बीच, इस राज्य में खुलने जा रहे हैं स्कूल- कॉलेज

कोरोना वायरस के कारण, जहां देश में एक तरफ सभी शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। ऐसे में सिक्किम के शिक्षा मंत्री केएन लेप्चा ने घोषणा करते हुए कहा कि सभी स्कूल और कॉलेजों को फिर से खोला जा रहा है।
पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 21 पर...**

सम्पादकीय.....04
स्पेशल रिपोर्ट.....5-6
राष्ट्रीय.....7-9
उत्तर प्रदेश.....10-13
वाराणसी.....14-19
शिक्षा जगत.....20-21
रोचक तथ्य.....22
मनोरंजन.....23-26
खेल जगत.....27-30
पूजा पाठ.....31-34
विविध.....36-38
स्वास्थ्य.....39-40
गृहणी.....41-42
टाइमपास.....43-44
पाठकनामा.....45
पृष्ठों का शेष.....46

न्यूज़बकेट

www.newsbucket.in

जून 2020

वर्ष 1 अंक 5

संस्थापक संरक्षक
संरक्षक : मिथिलेश पटेल
प्रधान संपादक : राजू श्रीवास्तव
कंटेंट एडिटर : विकास कुमार श्रीवास्तव
फोटो एडिटर : सुधीर कुमार गुप्ता
छायाकार : महेंद्र पटेल

कानूनी सलाहकार
भूपेश पाठक : **अधिवक्ता**
रवि प्रकाश तिवारी : **अधिवक्ता**

प्रधान कार्यालय (FIVE ALPHABETS)
बी - 31/19, आर बाबा शॉपिंग
काम्प्लेक्स लंका, वाराणसी।
E-Mail : m@fivealphabets.com
मो0 : 9415147110, 8574479280, 9807505429

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मिथिलेश पटेल एवं संपादक राजू श्रीवास्तव ने रॉयल प्रिंटिंग वर्क्स - C 25/2 राम कटोरा, चेतगंज, वाराणसी से मुद्रित कराकर बी - 31 /19, आर बाबा शॉपिंग काम्प्लेक्स लंका, वाराणसी से प्रकाशित किया।

पत्र संख्या - 1816/J.A.III-2019

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखक के हैं। उसमे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का क्षेत्र वाराणसी न्यायालय होगा।

सोनू सूद के काम से कायल हुआ व्यक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए ट्वीट किया, 'इस महामारी संकट में प्रवासी श्रमिकों के लिए मसीहा बने सोनू सूद को पद्म विभूषण के लिए सरकार से मांग करता हूं.' पढ़े पूरी खबर, **पेज न. 24 पर...**

लॉकडाउन में 'रियल हीरो' बनें सोनू सूद, सरकार से पद्म भूषण देने की उठी मांग

संपादकीय

प्रवासी श्रम के इर्द-गिर्द भारतीय सार्वजनिक विमर्श मुख्य रूप से इस बात की अनदेखी करता है कि मजदूर घर वापस जाने के लिए इतने उतावले क्यों हैं: उनके नियोक्ताओं ने उन्हें मजदूरी देना बंद कर दिया।

मई में एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 10 में से लगभग 8 प्रवासी मजदूरों को लॉकडाउन के दौरान भुगतान नहीं किया गया था।

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देशभर में लागू किए गए लॉकडाउन का सबसे बुरा असर उन मजदूरों पर हुआ है, जो अपने घरों को छोड़कर दूसरे राज्यों में काम करने के लिए गए थे. लॉकडाउन में काम नहीं होने के बाद खाने-पीने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण अब ये प्रवासी मजदूर जल्द से जल्द अपने घर लौटना चाहते हैं. इन तमाम मसलों के बीच, ये सोचना अति आवश्यक है कि मजदूर घर वापस जाने के लिए इतने उतावले क्यों हैं? क्या वो लॉकडाउन में जहाँ थे, वहीं नही रुक सकते थें?

उपरोक्त सवालों का जवाब किसी को देने की ज़रूरत नही बल्कि इसे समझने की ज़रूरत है. मजदूर घर वापस जाने के लिए इतने उतावले 2 कारणों से दिखें - पहला, लॉकडाउन से जुड़े संशय और अफवाह. अपने घर पहुंचने की आस में 28 मार्च को दिल्ली के आनंद विहार बस अड्डे पर लोगों का हुजूम लग गया था, जिसे संभालने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ गया था. इसके बाद हजारों की संख्या में मजदूरों ने अपने परिवार और छोट-छोटे बच्चों के साथ पैदल ही अपने घरों का रुख कर लिया था. इसके अलावा लॉकडाउन 2 की घोषणा के बाद फैली अफवाह पर मुंबई के एक रेलवे स्टेशन पर दूसरे राज्यों से आए हजारों मजदूरों की भीड़ इकट्ठी हो गई थी. ऐसे तमाम मामले सामने आयें, जहाँ मजदूर लॉकडाउन से जुड़े संशय और अफवाह के चलते घर लौटने के लिए उतावले दिखें. दूसरा, और शायद पहले कारण की स्थिति बनने का मुख्य कारण. मई में एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 10 में से लगभग 8 प्रवासी मजदूरों को लॉकडाउन के दौरान भुगतान नहीं किया गया था।

इसके बाद, कोई आश्चर्य नहीं है कि वे अपने नियोक्ताओं द्वारा व्यवहार किए जाने के तरीके के कारण शहरों और कारखानों से नफरत करने लगें। घर लौट रहे कई प्रवासी मजदूरों ने बताया कि उनकी मदद नही की गयी, पैसे और पर्याप्त भोजन की व्यवस्था न होने के कारण इन मजदूरों के अपने गृह जनपद लौटने के अलावा और कोई विकल्प नही बचा था।

शेल्टर होम, फ़ुटपाथ और फ्लाइओवर्स के नीचे रहने वाले प्रवासी मजदूरों की स्थिति और ज्यादा खराब होती है. ऐसे मजदूर इसी आस में बैठे थे कि लॉकडाउन में राहत मिले और वे अपने घरों को रवाना हो जाएं. शेल्टर होम्स में भी व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण उनका बड़े शहरों में रुक पाना काफी मुश्किल हो रहा था. पुलिस-प्रशासन भी तमाम कोशिशों के बावजूद हर व्यक्ति को जरूरी चीजें मुहैया नहीं करा पा रही है. वहीं, कुछ प्रवासी मजदूरों को अपने खेतों में खड़ी फसलों की चिंता सता रही है. वे चाहते हैं कि जल्द से जल्द घर वापस लौट जाएं और अपनी फसल बचा लें, क्योंकि अब उनके पास नौकरी तो है नहीं. सरकार ने सिर्फ उन कंस्ट्रक्शन साइट्स पर ही काम शुरू करने की इजाजत दी है, जहां मजदूरों के रहने की व्यवस्था पहले से ही है. ऐसे में रोज साइट्स पर पहुंचने वाले मजदूरों का काम पूरी तरह से छिन गया है. वे भुखमरी के कगार पर पहुंच गए. ऐसे में उनके सामने घर लौटना ही एकमात्र विकल्प बचा था, जिसके लिए उन्होंने अपनी जान की परवाह भी नहीं की।

- राजू श्रीवास्तव

स्पेशल रिपोर्ट

6 साल बेमिसाल कोरोना ने किया बुराहाल

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का एक साल और कुल मिलाकर अपने कार्यकाल के छह साल पूरे कर लिए हैं। इन छह सालों के दौरान नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनकी चर्चा वैश्विक स्तर पर हुई है। पूर्ण बहुमत की बीजेपी सरकार ने अपने छह साल के कार्यकाल के दौरान कई ऐसी उपलयियां हासिल की हैं, लेकिन अब आगे कई चुनौतियां भी हैं। हम एक-एक करके बीजेपी सरकार की उपलयियों और चुनौतियों को समझने की कोशिश करते हैं।

1. कश्मीर के लिए बनी धारा 370 में संशोधन-

1947 के बंटवारे और अंग्रोजों से आज़ादी के बाद से ही कश्मीर का मुद्दा भारत और पाकिस्तान, दोनों के लिए एक अहम मुद्दा रहा है। आर्टिकल 370 और 35 A के तहत कश्मीर को दिए गए विशेष प्रावधान हमेशा से ही विवाद का विषय रहे हैं। 2014 में भी जब मोदी सरकार बनी तो उसकी प्राथमिकता में ये काम शामिल था, लेकिन पूरा नहीं हो पाया। तब बीजेपी ने कश्मीर को बेहतर ढंग से समझने के लिए मुफ्ती मोहम्मद सईद की पार्टी पीडीपी के साथ सरकार बनाई थी। बाद में सईद के निधन के बाद महबूबा के साथ सरकार बनी, लेकिन फिर अचानक बीजेपी ने समर्थन वापस ले लिया और वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया।

मई 2019 में जब नरेंद्र मोदी दूसरी बार प्रधानमंत्री बने और अमित शाह के रूप में देश का नया गृहमंत्री तय हुआ तो उसके कुछ ही महीने बाद कश्मीर से धारा 370 को खत्म कर दिया गया। इसके साथ ही कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म हो गया। कश्मीर पर लिए गए इस फैसले का विपक्ष के लोगों ने विरोध भी किया, लेकिन पूरे एहतियात के साथ मोदी सरकार अपने इस फैसले को लागू करने में कामयाब रही।

2. पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक

भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के वक्त से ही हमारे पड़ोसी पाकिस्तान ने आमने-सामने की जंग में हमेशा मुंह की खाई है। इसलिए वो आतंकियों के जरिए कभी कश्मीर तो कभी भारत के दूसरे हिस्सों को अस्थिर करने की कोशिश करता रहा है। चूंकि ये जंग आमने-सामने की नहीं है, तो कई बार चाहते हुए भी भारत इसका जवाब नहीं दे पाता था। लेकिन जब मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में 18 सितंबर, 2016 को उड़ी पर आतंकी हमला हुआ तो इसका बदला लिया गया। ये मोदी सरकार की राजनैतिक इच्छाशक्ति ही थी कि उसने हमारे जवानों को सरहद पार करके पाक अधिकृत कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक करने का आदेश दिया।

28 सितंबर, 2016 को भारत के कमांडोज सीमा पार गए, पीओके में बने आतंकियों के लॉन्च पैड तबाह किए और फिर वापस लौट आए। इतना ही नहीं, जब 14 फरवरी, 2019 को बालाकोट में आतंकी हमला हुआ और सीआरपीएफ के हमारे 40 जवान शहीद हुए तो मोदी सरकार ने फिर से इसका बदला दिया। इस बार भी 26 फरवरी को इंडियन एयरफोर्स के फाइटर जेट्स ने बॉर्डर पार किया और पाकिस्तानी सीमा में बने आतंकियों के अड्डों को तबाह कर दिया।

3. अल्पसंख्यकों की कुप्रथा तीन तलाक का खात्मा-

विपक्षी दलों के तमाम आरोपों के बावजूद मोदी सरकार ने मुस्लिमों से जुड़े कई कड़े फैसले लिए। मई में जब पीएम मोदी दोबारा सत्ता में आए तो पहले लोकसभा और फिर राज्यसभा से 'मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक-2019' को पास करवा दिया गया। राष्ट्रपति राम नाम कोविंद के हस्ताक्षर के बाद ये अध्यादेश कानून बन गया और फिर 1 अगस्त 2019 से देश में एक झटके में तीन बार तलाक-तलाक-तलाक कहना कानूनन अपराध हो गया।

इससे पहले भी अपने पहले कार्यकाल में मोदी सरका ने अल्पसंख्यकों से जुड़ा एक फैसला किया था। इस फैसले के तहत मोदी सरकार ने हज पर दी जाने वाली सब्सिडी को खत्म कर दिया था। इसके अलावा भी हज संबंधी एक फैसला हुआ था, जिसकी विपक्ष के साथ ही अल्पसंख्यकों ने भी मुखालफत की थी। इसके तहत मोदी सरकार ने तय किया था कि 45 साल से अधिक उम्र की महिला अकेले भी हज पर जा सकती है।

4. नागरिकता संशोधन कानून और एनआरसी-

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में नागरिकता संशोधन कानून को मंजूरी दी गई। ये एक ऐसा फैसला था, जिसके खिलाफ पूरे देश में हिंसक प्रदर्शन हुए। कई लोग मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हो गए। लेकिन सरकार अपने फैसले पर अड़ी रही। इस फैसले के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक यानि कि हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई के लिए नागरिकता के नए प्रावधान तय किए गए। 10 जनवरी, 2020 को इस कानून के लागू हो जाने से तीन देशों के इन छह अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को नागरिकता हासिल करना आसान हो गया। नागरिकता के नए प्रावधानों में मुस्लिम का जिक्र नहीं था, जिसका व्यापक पैमाने पर विरोध हुआ और तभी कोरोना आ गया और विरोध प्रदर्शन खत्म हो गए।

उपरोक्त सभी उपलयियां मोदी सरकार की मजबूत राजनैतिक इच्छाशक्ति को दर्शाती है, लेकिन आपको बता दें कि अब राहें आसान नही हैं। अब आगे मोदी सरकार के सामने कई चुनौतियां हैं। आइये जानते कोरोना के इस संकटकाल में मोदी सरकार के सामने क्या क्या चुनौतियाँ हैं?

1. कोरोना ने पैदा की सबसे बड़ी चुनौती-

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के सामने फिलहाल कोई इकलौती चुनौती है तो वो है कोराना वायरस। इस वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था की भी परवाह नहीं की। देश में लॉकडाउन लगा दिया और कहा कि जान है तो जहान है। तब देश में कोरोना संक्रमण के आंकड़े 600 से भी कम थे। लेकिन अब ये आंकड़ा डेढ़ लाख पहुंचने वाला है। लॉकडाउन में ढील भी दे दी गई है और कोरोना का संक्रमण हर रोज बढ़ता ही जा रहा है और हर बढ़ता लॉकडाउन अर्थव्यवस्था के साथ ही देश की नींव को भी खोखला कर रहा है। न तो जान बच पा रही है और न ही जहान। अर्थव्यवस्था, उद्योग-धंधे, पढ़ाई-लिखाई, खेती, कारोबार, विदेश व्यापार, आयात-निर्यात सब ठप पड़ा है और इससे निबटने के लिए सरकार खजाने खोल रही है। 20 लाख करोड़ का राहत पैकेज भी दे चुकी है, लेकिन इससे भी कोरोना का असर कम होता नहीं दिख रहा है। देश का कोई भी सेक्टर इससे अछूता नहीं है और कोरोना से निबटते हुए इन सेक्टर्स को पटरी पर लाना प्रधानमंत्री मोदी के लिए उनके करियर की शायद सबसे बड़ी चुनौती है।

2. बेपटरी अर्थव्यवस्था-

प्रधानमंत्री मोदी जब अपने पहले कार्यकाल के अंतिम दिनों में थे, तब से ही देश की अर्थव्यवस्था पटरी से उतरनी शुरू हो चुकी थी। तमाम कोशिशों के बावजूद जीडीपी का आंकड़ा लगातार गिरता जा रहा था। वर्तमान में भी स्थिति सुधरी नही है, ये अब भी गिरता ही जा रहा है। कोरोना ने इस गिरती अर्थव्यवस्था को और भी तबाह कर दिया है। औद्योगिक उत्पादन ठप पड़ा है, राजकोषीय घाटा बढ़ता जा रहा है, खुदरा महंगाई दर बढ़ती जा रही है, लोगों के पास पैसे खत्म होते जा रहे हैं और लोग खर्च करने से बच रहे हैं। इसकी वजह से बाजार में मांग की कमी बनी हुई है। मोदी सरकार के सामने चुनौती है कि वो राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करे और साथ ही साथ बाजार में मांग बनाने के लिए कैश फ्लो करे। मोदी सरकार के लिए अर्थव्यवस्था एक बड़ी चुनौती है, जिससे निबटना फिलहाल तो संभव नहीं दिख रहा है।

3. खत्म होते रोजगार-

रोजगार का मुद्दा बीजेपी सरकार की एक और बड़ी चुनौती है। जब 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी चुनाव प्रचार कर रही थी, तो उसके घोषणापत्र में रोजगार एक अहम मुद्दा था। सरकार बनी और फिर विपक्ष ने रोजगार के आंकड़ों पर मोदी सरकार को घेरना शुरू कर दिया। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के आखिरी दिनों में केंद्रीय सांख्यिकी संगठन के हवाले से कहा गया कि देश में बेरोजगारी पिछले 45 साल में सबसे ज्यादा है। तब चुनाव प्रचार में जुटी बीजेपी ने इसे खारिज कर दिया था। लेकिन जिस दिन नरेंद्र मोदी ने लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, उसके अगले ही दिन केंद्रीय सांख्यिकी संगठन ने आंकड़ा जारी कर दिया। बताया कि देश में बेरोजगारी की दर 6.1 फीसदी है, जो पिछले 45 साल में सबसे ज्यादा है। अभी नरेंद्र मोदी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में बेरोजगारी पर कोई बात करती, उससे पहले ही कोरोना का प्रकोप आ गया। और इस कोरोना का असर कितना है, इसका अंदाजा सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE) के आंकड़े से लगा सकते हैं। CMIE का कहना है कि 3 मई को भारत में बेरोजगारी की दर देश के इतिहास में सबसे अधिक 27.11 फीसदी हो गई है। यानि कि देश का हर चौथा नागरिक बेरोजगार है। सीएमआई के मुताबिक शहर में बेरोजगारी की दर 29.22 फीसदी है, जबकि गांव में ये आंकड़ा 26.69 फीसदी का है। सीएमआई ने इस बात की भी आशंका जताई है कि भविष्य में बेरोजगारी का ये आंकड़ा और ज्यादा हो सकता है, क्योंकि कोरोना की वजह से जो मजदूर शहर छोड़कर गांव लौट गया है, वो जल्दी शहर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा। मोदी सरकार इन बेरोजगारों के लिए रोजगार सृजन कैसे करेगी, ये एक बड़ी चुनौती है, जिससे खुद पीएम मोदी को पार पाना है।

4. पड़ोसी देशों से बनते-बिगड़ते संबंध-

मोदी सरकार के सामने एक और बड़ी चुनौती है। लेकिन ये चुनौती घरेलू न होकर अंतरराष्ट्रीय है। ये चुनौती है पड़ोसी देशों से संबंध की। अभी तक नेपाल भारत का सबसे अच्छा पड़ोसी देश था। लेकिन मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में लिपुलेख तक सड़क बनवा दी, ताकि भारत की सामरिक ताकत को भी मज़बूती मिले और कैलाश मानसरोवर के तीर्थयात्रियों को भी सुविधा हो जाए। लेकिन इस सड़क के बनने से नेपाल नाराज हो गया है। उसका कहना है कि भारत ने उसकी सीमा का अतिक्रमण किया है। नेपाल दावा कर रहा है कि भारत ने उसके कब्जे वाले कालापानी क्षेत्र में अपनी सड़क बनाई है। इस वजह से भारत के नेपाल से संबंध खराब होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ, चीन ने भी भारत को आंख दिखानी शुरू कर दी है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में चीन ने डोकलाम में हंगामा किया, जिससे निबटने में मोदी सरकार को लंबा वक्त लगा। अब चीन फिर से लद्दाख में भारत को परेशान कर रहा है। ऐसे में मोदी सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने दो पड़ोसियों के साथ संबंध सुधारने की भी चुनौती है।

इन चार बड़ी चुनौतियों के अलावा भी मोदी सरकार के सामने और कई चुनौतियां हैं। जैसे मोदी सरकार ने सीएए को लागू कर दिया है, जिसके खिलाफ खूब प्रदर्शन हुए। कोरोना की वजह से प्रदर्शन रुके, लेकिन अब भी इस बात की आशंका जताई जा रही है कि कोरोना के खत्म होने के बाद मुद्दा गरम हो सकता है। इसके अलावा मोदी सरकार के सामने किसानों की आत्महत्या को रोकना और उनकी आय को दोगुनी करना एक बड़ी चुनौती है। मोदी सरकार ने पहले कार्यकाल में 2022 का लक्ष्य रखा था कि किसानों की आमदनी दोगुनी हो जाएगी।इतने कम वक्त में लक्ष्य हासिल करना मोदी सरकार के लिए बड़ी चुनौती होगी। कोरोना ने हमारे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की कलई खोलकर रख दी है। इस महामारी ने हमें फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया है कि स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में हम कहां खड़े हैं। सरकार के सामने आने वाले कुछ साल में देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने की भी चुनौती होगी, ताकि कोई ऐसी महामारी आए तो हम पहले से तैयार हों। इन सभी चुनौतियों से मोदी सरकार कब और कैसे पार पाएगी ये तो वक्त ही बताएगा, लेकिन 2020 के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव और 2021 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जो स्थिति होगी, उसे भी मोदी सरकार के कार्यकाल से अलग करके नहीं देखा जाएगा।

इन सभी चुनौतियों से मोदी सरकार कब और कैसे पार पाएगी ये तो वक्त ही बताएगा, लेकिन 2020 के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव और 2021 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जो स्थिति होगी, उसे भी मोदी सरकार के कार्यकाल से अलग करके नहीं देखा जाएगा।

राष्ट्रीय

1 जून से 200 ट्रेनों का होगा आवागमन, राज्यों की सहमति नही जरूरी

कोरोना के इस संकट काल मे श्रमिकों और मजदूरों को अपने घर वापस जाने में सबसे अधिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसे में सरकार ने प्रवासी मजदूरों के साथ साथ अपने घर से बाहर फंसे अन्य लोगों के दर्द को समझते हुए ट्रेनों को रफ्तार देने का फैसला किया है।

1 जून से सरकार ने थमी जिंदगी को रफ्तार देने की बात कही है। सरकार श्रमिक स्पेशल, राजधानी के रूट पर 15 जोड़ी एसी स्पेशल ट्रेनों के अलावा अब 200 नॉन एसी ट्रेनों का संचालन की शुरूवात करने वाली है।

यह प्रक्रिया 1 जून से चालू हो जाएगी। इन ट्रेनों में बुकिंग ऑनलाइन होंगे रेलवे काउंटर से कोई टिकट की बुकिंग नही होगी।

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट के माध्यम से यह जानकरी दी है कि श्रमिक स्पेशल ट्रेनों की हो रही राजनीति पर रोक लगाते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि ट्रेनों के संचालन के लिए अब राज्यों की सहमति आवश्यक नही है। राज्यों को इसकी व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है।

पीयूष गोयल ने श्रमिकों के लिए चलाए जाने वाले ट्रेनों के इजाफे की बात कहते हुए बताया कि कुछ समय के भीतर ही ट्रेनों की संख्या की 200 से बढ़ाकर 400 कर दिया जाएगा।

08

कोविड-19 के मरीजों के गंगाजल के उपयोग पर संशय, नही मौजूद वैज्ञानिक आकड़े

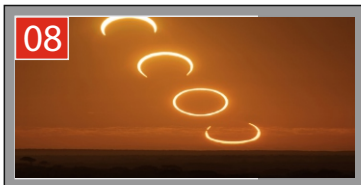

08

क्या 21 जून को होने वाला सूर्य ग्रहण दिलाएगा कोरोना से मुक्ति

09

950 विदेशी जमाती बनाये जाएंगे आरोपी

कोविड-19 के मरीजों के गंगाजल के उपयोग पर संशय, नही मौजूद वैज्ञानिक आकड़े

भारतीय आर्युर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने कोविड-19 के मरीजों को गंगाजल के उपयोग के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने पर रोक लगा दी है।

कोविड-19 के मरीजों पर गंगाजल के उपयोग पर क्लिनिकल अनुसंधान करने के जल शक्ति मंत्रालय के प्रस्ताव को आगे नही बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के प्रस्तावों का मूल्यांकन करने वाली समिति ने पुख्ता आकड़ो के अभाव में कोरोना के इलाज में गंगाजल का उपयोग न करने की सलाह दी है।

गंगा के निर्मलीकरण को लेकर अब तक हजारों करोड़ खर्च किया जा चुका है। ऐसे में अगर प्रॉपर रिसर्च के बाद भी आकड़े यदि नही है तो फिर गंगा पर इते खर्च करने का मतलब समझ नही आता।

गंगा महासभा के राष्ट्रीय सचिव स्वामी जितेंद्रनन्द ने कहा कि 2,525 किलोमीटर के दायरे में बहने वाली गंगा के संबंध में कोई डेटा नही होना आश्चर्यजनक है। उन्होंने गंगा मंत्रालय के मंत्री गजेंद्र शेखावत से गंगा पर प्रॉपर रिसर्च की मांग की है।

दोस्तों, गंगा के जल पर ये इन विचारकों और पदाधिकारियों का सिर्फ मत है, इसकी पुष्टि न्यूज बकेट बिल्कुल नही करता है।

क्या 21 जून को होने वाला सूर्य ग्रहण दिलाएगा कोरोना से मुक्ति

ज्योतिष गणना के अनुसार आगामी 21 जून को सूर्य ग्रहण पड़ने वाला है। ज्योतिष शास्त्रियों के अनुसार 21 जून को पड़ने वाला सूर्य ग्रहण कोरोना के संक्रमण के बीच शुभ संकेत देने वाला है।

आपको बता दें कि 21 जून का सूर्य ग्रहण मृगशिरा नक्षत्र में पड़ने जा रहा है और ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यहीं से कोरोना अपने ढलते चरण में आ जायेगा।

ज्योतिषियों के अनुसार 30 मार्च को बृहस्पति का धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश हुआ था जो 30 जून तक प्रभावी रहा। 30 जून को बृहस्पति वक्री होकर पुनः धनु राशि मे प्रवेश किया। 21 जून को मृगशिरा नक्षत्र में पड़ने वाला ये ग्रहण रविवार को पड़ रहा है और इसी दिन मंगल भी शनि राशि को छोड़ बृहस्पति राशि मे प्रवेश करेगा, जो अच्छे संकेत दे रहा है।

इससे पहले 26 सितंबर को सूर्य ग्रहण पड़ा था जो अशुभ संकेत का सूचक था और जिसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ा।

अब ये देखना दिलचस्प होगा कि ज्योतिष शास्त्र कोरोना महामारी पर कितना सही साबित होता है।

अगस्त से शुरू हो सकती है अंतरराष्ट्रीय उड़ाने

कोरोना महामारी के बीच अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को गति देने की बात भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पूरी ने 23 मई को की।

हरदीप सिंह पूरी ने 25 मई से घरेलू उड़ानों को फिर से शुरू करने की बात कही और इसीक्रम में उम्मीद है कि अगस्त से पहले भारत अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को तेजी दे सकता है।

उन्होंने फिलहाल अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुवात की तारीख तो नही बतायी है मगर अगस्त से इन उड़ानों के संकेत जरूर दे दिए है।

हरदीप सिंह पूरी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का निर्णय कोरोना की स्थिति को देखकर किया जाएगा और कोई ठोस फैसला लिया जायेगा।

कोरोना के संकटकाल से जूझता भारत अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुवात करने की कगार पर है और जल्द ही इसकी शुरुवात के आसार नजर आ रहे हैं।

पीएम ने कहा भारत को आत्मनिर्भर बनाना है, देश को आर्थिक पैकेज का किया ऐलान

पीएम ने इस लॉक डाउन के दौरान भारत की शक्ति के विषय मे जनता से संवाद करते हुए कहा कि इस संकट में भारत ने दुनिया को ये सोचने पर मजबूर कर दिया कि भारत मानव उत्थान में सर्वोपरि है।

उन्होंने कहा कि इस संकट काल मे भारत ने साबित किया है और 21वीं सदी भारत का होगा। इस संकट काल ने भारत को दुनिया को देखने और परखने के मौके दिया है। इसके लिए भारत को आत्मनिर्भर बनाना होगा।

पीएम ने एक विशेष आर्थिक पैकेज का ऐलान किया। पीएम ने बताया कि लॉक डाउन में अब तक का कुल आर्थिक पैकेज लगभग 20 लाख करोड़ का हो गया है, जो भारत की जीडीपी का कुल 10 प्रतिशत है।

लॉक डाउन-4 के विषय मे बात करते हुए पीएम ने कहा कि नया लॉक डाउन नए रंग रूप और नए नियमों वाला होगा। राज्यों से मिले सुझाव के आधार पर लॉक डाउन की जानकारी पहले ही दी जायेगी।

विशाखापट्टनम का एलजी पॉलिमर प्लांट होगा जब्त

विशाखापत्तनम गैस रिसाव मामले में आन्ध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने एलजी पॉलिमर संयंत्र को जब्त करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार के द्वारा नियुक्त समितियों के अलावा अन्य लोगों को संयंत्र में प्रवेश पर रोक लगा दी है।

22 मई को आन्ध्र प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ललिता कन्नेगन्ति की खण्डपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान आदेश दिया कि कंपनी के निदेशकों को बिना अनुमति के देश नही छोड़ने की बात कही थी।

दरअसल विशाखापत्तनम में गैस रिसाव के कारण दर्जनभर से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी जिसको लेकर जनहित याचिका दायर की गई थी जिसमें प्रभावित लोगों के लिए न्याय और दोषियों पर कार्यवाही की मांग की गई थी।

विशाखापत्तनम में हुए गैस रिसाव से सैकड़ों लोग बीमार हुए जिसमे कोर्ट के अंतरिम आदेश के मुताबिक किसी भी मशीनरी, चल-अचल सम्पत्ती और सामग्री को बिना अनुमति स्थानांतरित नही किया जाएगा। इस मामले में कम्पनी के निदेशकों ने अपना पास पोर्ट पहले ही समर्पण कर दिया है।

950 विदेशी जमाती बनाये जाएंगे आरोपी

भारत मे कोरोना का संक्रमण फैलाने का संकट पैदा करने वाले विदेशी 950 जमातियों को मुख्य केस में आरोपी बनाया जाएगा। क्राइम ब्रांच 950 विदेशी जमातियों को आरोपी बनाएगी।

क्राइम ब्रांच इन जमातियों से क्वारन्टीन सेंटर से निकलने के बाद पूछताछ करेगी। इन जमातियों के पास पोर्ट पहले से ही जब्त किए जा चुके है और सभी एयरपोर्ट्स पर लुकआउट सर्कुलर जारी कर चुकी है।

फिलहाल अभी इन जमातियों को अलग अलग जगहों पर क्वारन्टीन किया गया है। इनके खिलाफ 14 विदेशी अधिनियम, डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट और महामारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया जा चुका है।

उत्तर-प्रदेश

असुरक्षित सफर के रहे कामगारों को प्रशासन ने की मदत

लॉकडाउन में सड़कों पर पैदल चल रहे मजदूर सबसे ज्यादा बेहाल स्थिति में है। कई जगहों से मजदूरों की सड़क दुर्घटना में मौतों की खबर ने सरकार को चौकन्ना कर दिया है।

सड़कों पर हो रही दुर्घटनाओं से जागी सरकारें अब मजदूरों की सुरक्षा पर ध्यान दे रही है। इस पर उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्देश दिया है कि कोई भी कामगार या श्रमिक सड़कों पर नजर नही आना चाहिए और असुरक्षित यात्रा करता न दिखे इसके लिए जिला प्रशासन की जिम्मेदारी तय की गई है।

इसी क्रम में वाराणसी में मोहनसराय इलाके में कैम्प की व्यवस्था की गई है जहां पर असुरक्षित यात्रा कर रहे कामगारों और सड़कों पर चल रहे श्रमिकों को आदर के साथ कैम्प में रोककर खाने पीने की व्यवस्था दी जा रही है और उन्हें बसों के माध्यम से उनके गृह जनपद भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

वाराणसी के कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बताया कि शासन के आदेश पर असुरक्षित यात्रा करने वाले कामगारों को सुरक्षित उनके गृह जनपद भेजने की व्यवस्था की गई है। कामगारों के लिए जिले वार भेजने के लिए और UPSRTC की बसों के माध्यम से लंबी यात्रा का प्रावधान किया गया है।

स्किल मैपिंग के बाद यूपी सरकार देगी रोजगार

लॉक डाउन के कारण प्रवासी कामगारों और मजदूरों के जो हालात हैं वह किसी से छुपे हुए नहीं है। यूपी की योगी सरकार अब इन हुनरमंद हाथों को फिर से रोजगार देने का विचार कर चुकी है।

देशव्यापी लॉक डाउन के कारण 24 लाख से ज्यादा कामगार बिना रोजगार के हो गए हैं। इन मजदूरों और कामगारों के भविष्य की चिंता अब उत्तर प्रदेश सरकार दूर करने जा रही है। इन कामगारों को स्किल मैपिंग के बाद रोजगार दिए जाने की तैयारी है। इसके लिए सरकार इन कामगारों को इंटर्नशिप कराएगी जिसके दौरान उन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी और ट्रेनिंग का भत्ता भी दिया जाएगा। दूसरे राज्यों से लौटे इन कामगारों को अब अपने ही राज्य में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इन कामगारों को स्किल मैपिंग के बाद उनके हुनर के अनुसार रोजगार देने पर उत्तर प्रदेश सरकार एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पा सकती है।

11

उत्तर प्रदेश में लॉक डाउन में बढ़ी सख्ती, वाहन चलाने वालों हो जाए सावधान

12

महामारी ने मारी पलटी, महाराष्ट्र से चलकर यूपी पहुंच रहा कोरोना

12

अब दवा की दुकानों को खांसी, जुकाम और बुखार की दवा लेने वालों का देना होगा ब्यौरा

13

अस्पताल में कोरोना मरीज रख सकेंगे मोबाईल

यूपी सरकार का बड़ा फैसला, प्रवासी श्रमिकों को रोजगार के साथ मिलेगी सामाजिक सुरक्षा

देशभर से प्रवासी मजदूर अपने घरों की वापसी पर है। ऐसे में प्रदेश की योगी सरकार भी श्रमिकों को वापस लाने के निरंतर प्रयास कर रही है।

वतन वापसी की राह पर चल रहे श्रमिकों की दशा अत्यंत चिंतनीय और दयनीय होती जा रही है। यूपी सरकार बाहर से आ रहे श्रमिकों के लिए रोजगार के साथ साथ अन्य जरूरी सुविधाएं भी मुहैया कराने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाहर से आ रहे मजदूरों के लिए माइग्रेशन कमीशन के गठन के निर्देश दिए है। योगी सरकार अब इन श्रमिकों को अपने ही राज्य में रोजगार देगी और कमीशन सभी श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के द्वारा श्रमिकों के बैंक खाते खोले जायेंगे। योगी आदित्यनाथ ने अपर मुख्य सचिव राजस्व को निर्देश दिए कि सभी जिलों के सभी अधिकारी क्वारन्टाईन सेंटर का निरीक्षण करें। उन्होंने सभी प्रवासियों को राशन किट अनिवार्य रूप से मुहैया कराए जाने की बात भी कही।

उत्तर प्रदेश में लॉक डाउन में बढ़ी सख्ती, वाहन चलाने वालों हो जाए सावधान

पूरे भारत में कोरोना के मरीज तेजी से बढ़ रहे है। बढ़ते कोरोनावायरस संक्रमण को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार काफी चिंतित नजर आ रही है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के कई जिलों के जिला अधिकारियों से बातचीत के बाद मुख्यमंत्री ने सख्ती से लॉक डाउन का पालन कराने के निर्देश दिए है। वहीं लॉक डाउन में लोग सड़कों पर मानकों को ताख पर रखकर रास्तों पर आते जाते नजर रहे हैं जिसको लेकर सरकार ने अब सख्ती बरतने का विचार बनाया है।

आपको बता दें कि कोरोना काल मे यह दूसरी बार नियमावली में संशोधन किया गया है। दो पहिया वाहन के विषय मे प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि सड़कों पर अनावश्यक रूप से घूम रहे और बिना मास्क लगाए लोगों पर अब सख्ती बरती जाएगी।

लॉक डाउन में दोपहिया वाहनों से फालतू घूमने और दोपहिया वाहन पर अगर दो लोग दिखे तो पहली बार पकड़े जाने पर 100 रुपये से 500 तक का चालान होगा।

वहीं दूसरी बार यह जुर्माना 500 रुपये से 1000 रुपये तक वसूला जाएगा। दूसरी बार प्रत्येक उल्लंघन पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

इसी प्रकार यदि तीसरी बार पकड़े गए तो दो पहिया वाहन चालक का जुर्माने के साथ साथ लाइसेंस भी रद्द हो सकता है।

महामारी ने मारी पलटी, महाराष्ट्र से चलकर यूपी पहुंच रहा कोरोना

कोरोना महामारी ने विश्वभर में तबाही मचा रखी है। ऐसे में अगर बात भारत की करें तो भारत कोरोना के बढ़ते संक्रमण से अछूता नही है, बल्कि देश मे जिस प्रकार से कोरोना के केसेज बढ़ते जा रहे है वो दर इस वक्त विश्वभर में सबसे अधिक है।

कोरोना के बचाव में यूपी सरकार को चुनौती देती श्रमिकों और मजदूरों की लौटती भीड़ के कारण कोरोना के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

यूपी वापस लौट रहे ज्यादातर श्रमिक महाराष्ट्र से आ रहे है। महाराष्ट्र राज्य पहले से ही कोरोना की मार झेल रहा है और ऐसे में महाराष्ट्र से लौट रहे संक्रमित मजदूरों के कारण यूपी में कोरोना के मरीजों का संतुलन बिगड़ रहा है और इससे पॉजिटिव केसों की संख्या में काफी तेजी से इजाफा हो रहा है।

बात अगर आकड़ो की करें तो यूपी में पॉजिटिव केसेज की संख्या तेजी से बढ़ रही है और ये आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

हालांकि अन्य देशों के मुकाबले भारत मे कोरोना के मरीजों की संख्या भले ही तेजी से बढ़ रहे है मगर कोरोना के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा अभी कम है।

कोरोना के कारण होने वाली सबसे कम मौतों में भारत तीसरे नम्बर है जो कि इस वैश्विक महामारी के बीच एक अच्छी खबर है।

अब दवा की दुकानों को खांसी, जुकाम और बुखार की दवा लेने वालों का देना होगा ब्यौरा

देश मे बढ़ रहे कोरोना के संक्रमण के कारण उत्तर प्रदेश सरकार ने शासनादेश जारी किया है कि सभी दवा की दुकानों को खांसी, जुकाम और बुखार की दवा की खरीदारी करने वाले लोगों की जानकारी शासन को देनी होगी।

प्रदेश के सभी जिले की दवा के दुकानों के संचालकों की ये जिम्मेदारी होगी कि वो प्रतिदिन इस तरह की दवाओं को खरीदने वालों का ब्यौरा जिले के औषधि निरीक्षक को दें।

आयुक्त औषधि अनुज्ञापन एवं नियंत्रण प्राधिकारी ए के जैन ने प्रदेश के सभी विभागीय अधिकारियों को आदेश जारी किया कि प्रतिदिन शाम के 5 बजे तक सम्बति रिपोर्ट भेजें।

आपको बता दें कि खांसी, जुकाम और बुखार के लक्षण कोरोना से मिलते जुलते है इसलिए कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए इस प्रकार की दवाओं को खरीदने वालों का नाम, पता और मोबाईल नम्बर का ब्यौरा चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग के ई-लिंक पर भेजना होगा।

मजदूर दिवस पर योगी आदित्यनाथ ने कामगारों को दी बधाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता को सम्बोधित करते हुए मजदूर दिवस के अवसर पर सभी कामगार और श्रमिकों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश मे प्रधानमंत्री कल्याण पैकेज के अंतर्गत 80 करोड़ नागरिकों को 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये की गरीब कल्याणकारी योजनाओं को आच्छादित किया गया है।

इन लोगों में कामगार, श्रमिक, युवा, उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों को इस योजना से लाभ प्राप्त हुआ है। इस लॉक डाउन में बहुत सी योजनाएं लागू की गई है जो किसान, मजदूर और कामगारों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के अंदर सरकार द्वारा निर्माण श्रमिकों और डेली कमाने वाले ठेला, खोमचा, पल्लेदार जैसे 16 कैटेगरी के श्रमिकों को विश्वकर्मा श्रम सम्मान से लाभ देने का काम किया जा रहा है और 30 लाख निर्माण श्रमिकों के साथ साथ अन्य श्रमिकों को सुविधा कराई गई है।

इन सभी श्रमिकों को दूसरी बार भरण पोषण भत्ता देने की तैयारी कर ली गयी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी कामगार और श्रमिकों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार उन्हें हर प्रकार की सामाजिक सुरक्षा और भरण पोषण की व्यवस्था देने के लिए प्रतिबद्ध है।

18 करोड़ लोगों को पोर्टबिलिटी के माध्यम से लोगों को खाद्यान दिया गया है। पहले चरण में यूपी से जुड़े मनरेगा सहित अन्य कामगारों को खाद्यान दिया गया और अब दूसरे चरण में भी सभी 18 करोड़ नागरिकों को पुनः खाद्यान प्राप्त कराने की योजना पूरी हो चुकी है।

उत्तर प्रदेश में राशनकार्ड धारकों को खाद्यान व्यवस्था करायी जा रही है और दूसरे चरण में भी कराया जाएगा।

जिनके पास राशनकार्ड नही भी है उन्हें भी खाद्यान की व्यवस्था की गई है।

अस्पताल में कोरोना मरीज रख सकेंगे मोबाईल

कोरोना के मरीजों को अब मोबाईल साथ रखने की छूट दे दी गयी है। कई जगहों पर पहले से मरीजों को मोबाईल रखने को लेकर विवाद सामने आते रहे है।

इन अफवाहों पर प्रतिबंध लगाते हुए महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण के द्वारा यह आदेश दिया गया। अब कोरोना के लेवल टू और लेवल थ्री अस्पतालों के आइसोलेशन वार्ड में मरीज मोबाईल फोन रख सकेंगे।

मोबाईल रखने से पहले मरीज को अस्पताल प्रबंधन को बताना होगा कि उनके पास मोबाईल और चार्जर है।

दरअसल कुछ दिन पहले ही मरीजों को मोबाईल रखने पर प्रतिबंध लगाया गया था मगर फैसले पर सवालिया निशान उठने पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने दिए गए फैसले में संशोधन किया और मरीज को मोबाईल रखने की इजाजत दी है।

वाराणसी

15

लॉक डाउन-4 में भी ठेला पटरी व्यवसाय करने वाले लोग भुखमरी के कगार पर

17

बनारस का लंगड़ा आम हुआ एनआरआई

17

लॉक डाउन में बाबा काशी विश्वनाथ की आय घटी

18

लंदन से वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे 82 प्रवासी

लॉक डाउन में बाबा विश्वनाथ के करें ऑनलाइन दर्शन

वाराणसी में लॉक डाउन के कारण 20 मार्च से बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर के कपाट को बंद कर दिया गया है। मन्दिर में भक्तों को जाने के की इजाजत नही है।

ऐसे में प्रशासन ने काशी विश्वनाथ मन्दिर बन्द होने के बाद भी भक्तों को ऑनलाइन दर्शन कराने का इंतेजाम किया है। अब श्रद्धालु अपने घरों पररहकर ही काशी विश्वनाथ के ऑनलाइन दर्शन कर सकते है।

वाराणसी के कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बताया कि कोरोना के संक्रमण के कारण मन्दिर बन्द है और ऐसे में भक्तों को बाबा के दर्शन कराने की नई व्यवस्था की जा रही है।

अब भक्त मोबाईल एप्प के जरिए काशी विश्वनाथ के ऑनलाइन दर्शन कर पाएंगे। मन्दिर के पुजारियों को भी एक टेबलेट देने का प्रबंध किया जाएगा जिसके जरिये ऑनलाइन दर्शन हो सकेंगे।

खास बात तो ये है कि 3 दिन के बाद से ही काशी विश्वनाथ के ऑनलाइन दर्शन शुरू हो जाएंगे। दीपक अग्रवाल ने बताया कि यदि अब कुछ ठीक ठाक रहा तो ट्रेनिंग के बाद 3 दिन में व्यवस्था शुरू कर दी जायेगी।

फिलहाल इस एप्प के लिए भक्तों को निर्धारित शुल्क जमा करना होगा, इस एप्प के माध्यम से भक्त ऑनलाइन विशेष अनुष्ठान भी करवा सकते है।

ज्वेलरी हाउस के मालिक ने खुद को मारी गोली

वाराणसी के चेतगंज स्थित शगुन ज्वेलरी हाउस के मालिक कमलेश सेठ ने खुद को गोली मारी।

कमलेश को घायल अवस्था में सिंह मेडिकल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

सीओ अनिल सिंह ने बताया कि पति पत्नी के झगड़े के कारण कमलेश सेठ ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली है। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है की पिछले दो दिन पहले ही आपसी विवाद के कारण पत्नी बच्चों के साथ दूसरे मकान पर चली गयी।

पत्नी के मायके चले जाने के बाद कमलेश के घर पर उनकी मां और 2 नौकर रहते थे। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

खिलौना व्यवसाइयों को भी मिले बुनकरों जैसी छूट

लॉकडाउन का प्रभाव सभी उद्योग धंधों पर पड़ा है। ऐसे में लघु और कुटीर उद्योग करने वाले छोटे व्यवसायी सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं।

पीएम के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में लघु और कुटीर उद्योग भी लॉक डाउन के कारण पूरी तरह से बंद है। छोटे व्यवसायी भुखमरी के कगार पर है। वाराणसी के कश्मीरी गंज इलाके में लकड़ी के खिलौनों का बड़ा कारोबार होता है।

विदेशों में कई जगह यहां के प्रसिद्ध खिलौनों को एक्सपोर्ट किया जाता है लेकिन लॉक डॉउन-4 में इस रोजगार को अभी तक कोई भी उचित आश्वासन नहीं मिला और ना ही आगे खुलने के आसार ही नजर आ रहे है। इस रोजगार को करने वाले व्यवसाइयों को कोई रास्ता नहीं दिख रहा।

इसी क्रम में लकड़ी उद्योग खिलौना व्यवसाय के अध्यक्ष गोदावरी सिंह ने अपने सांसद और देश के प्रधानमंत्री को इस रोजगार से जुड़े लोगों के स्थिति के विषय मे पत्र भेजकर अवगत कराया।

गोदावरी सिंह ने इस पत्र के जरिये मांग की है कि जल्द अगर इन रोजगार से जुड़े लोगों को सरकार की तरफ से आर्थिक मदद नहीं मिलेगी तो यह रोजगार पूरी तरीके से टूट जाएगा। लॉक डॉउन खुलने के बाद भी यह हुनर घरों में ही सिमट कर रह जाएगा।

फिलहाल तो इस पत्र का संज्ञान वाराणसी के सांसद ने ले लिया है। इस विषय मे कपड़ा उद्योग मंत्रालय ने सूची मांगी है कि कितने लोगों को आर्थिक मदद की जा सकती है।

लकड़ी के खिलौने को बनाने वाले लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री ने लघु और कुटीर उद्योग से जुड़े लोगों की तरफ मदत के लिए हाथ तो बढ़ाया है मगर जमीनी स्तर पर कुछ विशेष लाभ नही मिला है। लकड़ी के खिलौनों का व्यवसाय बदहाली के कगार पर खड़ा है। दर्जनभर देशों में जाने वाले ये लकड़ी के खिलौने अब दुकानों और घरों में धूल फांक रहे है।

शेष पेज 46 पर...

लॉक डाउन-4 में भी ठेला पटरी व्यवसाय करने वाले लोग भुखमरी के कगार पर

भारत मे लॉक डाउन-4 की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में अगर बात करें तो कई दिन बीतने के बाद प्रदेश सरकार लगातार श्रमिक मजदूरों और बाहर से आने वाले लोगों का स्वागत कर रही है और अपने यहां रोजगार देने की बात भी कह रही है।

पीएम के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में प्रदेश सरकार के निर्देश अनुसार दुकानों को खोलने की इजाजत तो मिली मगर ठेला और पटरी व्यवसाइयों की कोई सुध नहीं ले रहा है।

यही वजह है कि बनारस के ठेला खुमचा वाले रोजगार करने वाले लोगों का इस समय स्थिति काफी दयनीय है जिसको लेकर उनके बीच जहां खाने और अनाज की कमी उन्हें सता रही है तो वहीं बाजारों में भी उन्हें पटरी के पास व्यवसाय करने की कोई अनुमति नहीं दी गई है।

अगर बात करें ठेला पटरी व्यवसाय की तो लगभग 40 प्रतिशत आबादी ऐसी है जो इस व्यवसाय में अपने परिवार और अपने से जुड़े है और अपना और अपने परिवार का पेट भरते है लेकिन पिछले कई महीनों से यह रोजगार पूरी तरीके से ठप पड़ा है।

अगर वाराणसी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री इनकी आवाज और उनकी तकलीफों को अगर सुन ले तो शायद इनको भुखमरी से बचाया जा सके।

हालांकि प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही है श्रमिक मजदूर और दुकानदारों के लिए देश में आर्थिक संकट की स्थिति ना उत्पन्न हो वहीं पीएम ने भी कुछ दिन पहले देश से संबोधन में कुछ बातें कही थी जिसमें यह भी कहा गया था की लोकल प्रोडक्ट का ज्यादा इस्तेमाल करें

अपने यहां बनी घरेलू चीजों का खरीदारी करें अगर लोकल सामानों का खरीदारी करते हैं तो इससे छोटे पटरी के व्यवसाय और उससे जुड़े लोगों को जहां रोजगार मिलेगा तो वहीं उनके अंदर एक उर्जा भी प्राप्त होगी जिससे अपने लोकल प्रोडक्ट को विश्व में बड़े प्रोडक्ट के तौर पर टक्कर देने में काम आएगा लेकिन पीएम के आश्वासन के बाद भी शायद छोटे पटरी व्यवसाय के दुकानदार हैं उन्हें अभी भी दुकानों को लगाने की अनुमति नहीं मिली है। जिससे उनके बीच काफी निराशा है।

यह हम नहीं कहते बल्कि जो पटरी व्यवसाई के लोग हैं उनका कहना है कि अगर समय वक्त रहते अगर उनका ध्यान कर लिया गया तो एक तबका होने वाले भुखमरी से मौतों में शामिल नहीं होगा।

पावरलूम व्यवसायियों ने सरकार से मांगी ईदी

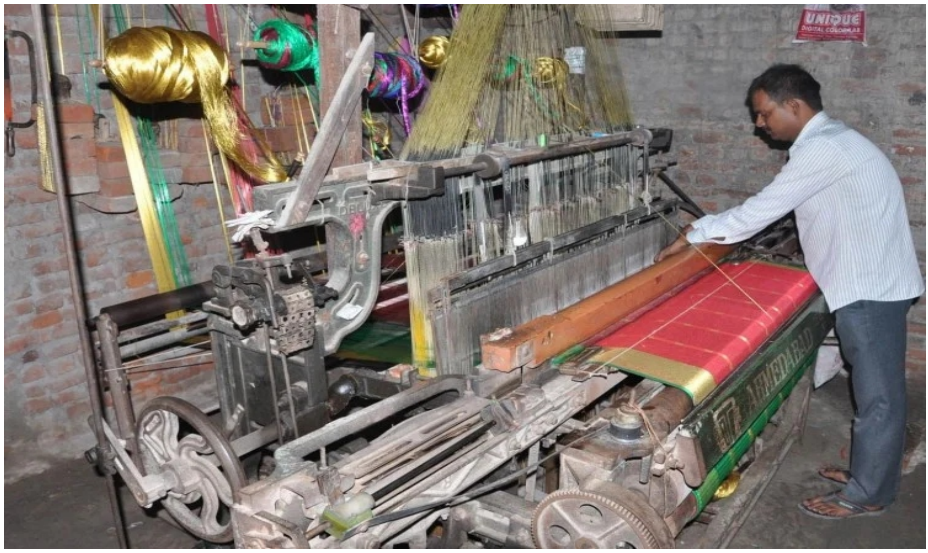

बनारसी साड़ी के कारोबार इन दिनों बदहाली के आंसू बहा रहे हैं क्योंकि लॉक डाउन के कारण पिछले कई दिनों से साड़ी व्यापार ठप पड़ा है, तो वहीं बनारस की गलियों में हथकरघा और पावरलूम की आने वाली आवाजों पर भी विराम लग चुका है।

लॉक डाउन 4 में भी इस व्यवसाय को कोई का छूट नहीं मिली जिसकी वजह से अब जो बुनकर हैं उनकी स्थिति बहुत ज्यादा दैनीय हो रही है।

ऐसे में अगर बात करें तो भारत समेत लगभग 50 देशों में बनारसी बुनकारी कला का हुनर फेमस है लेकिन लॉक डाउन की वजह से बनारसी साड़ी की जो पहचान है वह धीरे-धीरे गिरती जा रही है जिसको लेकर बुनकर काफी चिंतित नजर आ रहे हैं।

आने वाले वक्त में देश को जहां आर्थिक संकट से जूझना होगा तो वहीं इस कोरोनावायरस की स्थिति में बुनकरों के आगे खाने और कमाने की स्थिति काशी में बदतर हो गई है।

फिलहाल तो गंगा जमुनी की तहजीब कहे जाने वाली काशी में इन दिनों हथकरघा और पावर लूम की आवाजें ना ही सुनने को मिलती हैं और ना ही कोई बनारसी साड़ी खरीददार आ रहा है क्योंकि टूरिज्म पर पूरी तरीके से रोक लग गया है।

लॉक डाउन की स्थिति में विशेष सामानों को ही अनुमति दी गई है। कोरोना के खतरे में लोग जहां अपने घरों में कैद है तो वही बनारसी साड़ी के खरीददार भी बाजार से दूर हो गए हैं।

किसी भी देश से कोई खरीददारों का न फोन आ रहा है और ना ही कोई गद्दी मालिक बुनकरों से बनारसी साड़ी की पहचान जिंदा रखने के लिए बुनकारी का कोई भी कारोबार नहीं कर रहे हैं।

जिसको लेकर धागे ताना-बाना बुनने वाले लोग और सैकड़ों ऐसे मजदूर जो इन दिनों आर्थिक तंगी के संकट से जूझ रहे के साथ साथ पावर लूम पर अध निर्मित साड़ियां इस बात की गवाह बन रही हैं कि देश में कोरोनावायरस संकट जो है वह बनारसी साड़ी के व्यापार पर भी देखने को मिल रहा है हालांकि केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है कि हर तबके के लोगों का विशेष ध्यान रखा जाए ताकी कोई भी इंसान भूखे पेट ना सोए।

राज्य सरकार ने श्रमिक मजदूरों को रोजगार देने की बात कही है, तो बुनकरों के चेहरों पर इस बात से थोड़ी खुशी आई है कि शायद सरकार बनारसी साड़ी की पहचान को भी मिटने नहीं देंगी और उसको बड़े पैमाने पर प्रमोट करेगी। **शेष पेज 46 पर...**

वाराणसी में कांग्रेस की तरफ से बांटे गए एक लाख मास्क और सेनेटाइजर

कोरोना के खतरे से बचने का सबसे पहला उपाय मास्क पहनना और सेनेटाइजर से हाथों को साफ करते रहना है। कोरोना के संकटकाल में सतर्कता बरतनी बहुत जरूरी है।

ऐसे में आज वाराणसी में कांग्रेस के लोगों ने गरीब तबके के लोगों को एक लाख मास्क और सेनेटाइजर का वितरण किया। ऐसे असहाय लोग जो पैसे के अभाव में खाने पीने को परेशान है उन्हें मास्क की चिंता कहा है। उनकी पहली प्राथमिकता भोजन ही है।

कांग्रेस के नेता अजय राय ने बताया कि वाराणसी में प्रियंका गांधी की तरफ से एक लाख मास्क और सेनेटाइजर का वितरण किया गया है। कोरोना जैसी महामारी को देखते हुए उनकी तरफ से लोगों को सुविधा दी गई।

बनारस का लंगड़ा आम हुआ एनआरआई

पहली बार बनारस के लंगड़ा आम को लेकर विदेशों से डिमांड आई है। मुस्लिम कंट्री दुबई से पीएम के संसदीय क्षेत्र का लंड़गा आम इन दिनों लॉक डाउन – 4 में किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रहा है। इस आम की खेप पूर्वांचल समेत अभी तक सिर्फ बिहार में ही जाती थी लेकिन पीएम की पहल पर दुबई से बनारसी लंगड़ा आम की डिमांड आई है।

वाराणसी के कमिश्नर ने बताया कि दुबई से आयी आम की मांग से किसानों में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है क्योंकि कोरोना काल में ज्यादातर किसानों की कमर टूट गई है। तो वहीं आम के इस डिमांड से किसानों के चेहरे पर एक अलग सी मुस्कान देखी जा सकती है। बनारसी लंगड़ा आम की तलब अब विदेशी मार्केट में भी लगी है। यही वजह है कि आज वाराणसी के कमिश्नर द्वारा लंगड़ा आम को हरी झंडी दिखाकर लखनऊ के लिए रवाना किया जा रहा है। जहां से इस खेप को दुबई के लिए भेज दिया जाएगा। पीएम के प्रयास से काशी को एक बार फिर लंगड़ा आम के उपजाऊ पर गर्व हुआ है।

फिलहाल तो यह आम की चाहत हर किसी के अंदर होत है क्योंकि इसकी मिठास दिलों और जुबान पर हमेशा बनी रहती है। बेसब्री से इस आम के सीजन के आने का खरीददार इंतजार करते हैं। फिलहाल तो बनारसी लंगड़ा आम ने अपनी छाप विदेशों में भी बना ली है। अब दरकार है तो ऐसे ही कुछ किसानों के फलों की जिसकी विदेशी मार्केट में भी डिमांड हो।

कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बताया कि 3 टन आम की पहली खेप दुबई भेजी जा रही है। इससे पहले सब्जी की खेप लंदन भेजी गई थी जिसके बाद वहां से भी आम की डिमांड आयी है। यह पहली खेप है जिसे लखनऊ भेजा जा रहा है और वहां से पैकिंग होकर ये आम दुबई जायेगे।

लॉक डाउन में बाबा काशी विश्वनाथ की आय घटी

वाराणसी। लॉक डाउन के कारण पूरे देश के सभी मन्दिरों के कपाट भक्तों के लिए बन्द कर दिए गए है। कोरोना के खतरे को देखते हुए 22 मार्च से काशी विश्वनाथ के कपाट को भी भक्तों के लिए बन्द किया गया है सिर्फ अर्चक ही बाबा की आरती कर रहे है।

लॉक डाउन के कारण जहां एक ओर भक्तों को दर्शन के लिए मनाही है वहीं अब इसका असर मन्दिर में चढ़ने वाले चढ़ावे पर दिख रहा है। मन्दिर में चढ़ने वाले चढ़ावे में गिरावट आई है।

काशी विश्वनाथ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विशाल सिंह ने बताया कि पूरे लॉक डाउन के दौरान करीब 50 लाख रुपये ही दान में आये है। इसमें अमेरिका से एनआरआई द्वारा लगभग 15 लाख का दान मिला है।

विशाल सिंह ने बताया कि पैसे लोग सीधे एकाउंट, गो फंड मी और अन्य माध्यमों से भेज रहे है। दान में आने पैसों का एक बड़ा हिस्सा 23 लाख का है जो अन्न क्षेत्र के भेजा गया है।

आम दिनों में काशी विश्वनाथ में प्रतिमाह दो से ढाई करोड़ रुपये की होती है जो लॉक डाउन के कारण घटकर मात्र 50 लाख हो गयी है।

काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर से अन्न क्षेत्र में लॉक डाउन में जरूरतमन्दों को खाद्य सामग्री दी जाती है।

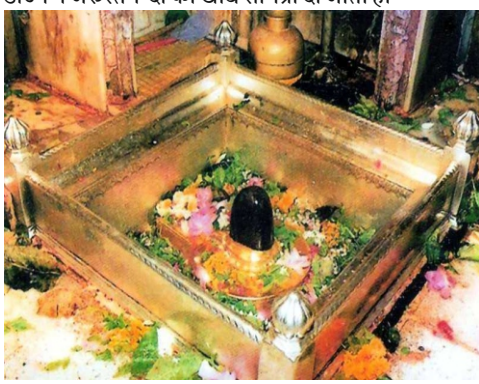

इंद्रेश ईद पोटली देकर अनाज बैंक ने तलाक पीड़ितों को दी खुशियों की सौगात

लॉक डाउन के कारण सभी त्योहारों का रंग फीका पड़ गया है। ऐसे में मुस्लिम भाइयों के आगामी त्योहार ईद का रंग और सेवइयों की मिठास भी फीकी पड़ गयी थी।

वाराणसी में ईद के मद्देनजर अनाज बैंक की ओर से तीन तलाक की शिकार हुई महिलाओं को इंद्रेश ईद पोटली दी गयी। इस पोटली में अनाज के साथ साथ ईद के लिए सेवइयों के पैकेट भी दिए गए।

तीन तलाक जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ आंदोलन करने वाले समाज सुधारक और संघ के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख इंद्रेश कुमार के नेतृत्व में मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल अध्यक्ष नाजरीन अंसारी ने इस अभियान की शुरुवात की।

तीन तलाक पीड़ित महिलाओं को इंद्रेश ईद पोटली के जरिये खुशियों की सौगात देने का काम किया है।

इस अवसर पर अनाज बैंक के अध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि तलाक की पीड़ा का दंश झेल रही मुस्लिम महिलाओं के परिवार को इंद्रेश ईद पोटली के माध्यम से खुशियां देने का प्रयास किया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उद्योग उपायुक्त वीरेंद्र कुमार ने कहा कि अनाज बैंक के जरिये तलाक पीड़िता महिलाओं और उनके बच्चों को ईद की खुशियां देना मर्मस्पर्शी है। अनाज बैंक ने ऐतिहासिक काम किया है।

कोरोना के संकटकाल में किसानों को बीज वितरण किया गया

वाराणसी के जक्खिनी ग्राम सभा मे किसानों के हित के लिए सदा प्रयासरत रहने वाले प्रकाश सिंह रघुवंशी की ओर से किसानों को 2 किलो धान के बीज का वितरण किया गया। प्रकाश सिंह ग्राम सभा के सभी किसानों को अपना परिवार मानते है और उनके उत्थान के लिए हमेशा किसानों को बीज और अन्य जरुरी चीजों से मदत करते रहते है। बीज मिलने से प्रसन्न किसानों का कहना है कि "हम लोग मिलें बीजों से धान की उन्नतशील खेती करेंगे तथा पैदावार बढ़ाएंगे।" किसानो के लिए महानायक साबित होने वाले प्रकाश सिंह रघुवंशी का कहना है कि अपना खेती अपना बीज। उनका यह भी कहना है कि हम प्रति वर्ष किसानों को मुफ्त मे बीज दान करते रहते है। इस वर्ष ग्राम सभा जक्खिनी मे किसानों को बीज देना हमारे लिए बहुत सौभाग्य का विषय है। उन्होंने बताया कि किसान अधिक से अधिक पैदावार बढ़ाये तथा अपने ही क्षेत्र मे विकास करें। जक्खिनी चौकी इंचार्ज अमित कुमार शुक्ला के सहयोग से धान के बीज का वितरण किया गया। ऐसे हलात मे वो क्षेत्र मे हर वर्गों को काफ़ी सहयोग प्रदान कर रहे है क्षेत्र के काफ़ी चर्चा का विषय है।

सुप्रसिद्ध पिंड दान के सरोवर में बिना ऑक्सीजन के मरी मछलियां

वाराणसी का सुप्रसिद्ध पिशाच मोचन कुंड जहां लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंड दान करते है। मान्यता है कि यदि काशी के इस पिशाच मोचन पर पिंड दान किया जाय तो पितरों को प्रेत योनि से छुटकारा मिलता है और आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी कुंड से कुछ दिनों से दुर्गंध निकलनी शुरू हुई। जब इसकी पड़ताल की गई तो पता चला कि कुंड में सैकड़ों मछलियां मरी हुई है और पानी के उपर दिख रही है।

लोगों का अनुमान है कि सम्भवतः ऑक्सीजन की कमी के कारण ये मछलियां मर गयी हो। इसकी सूचना नगर निगम को दे दी गयी है ताकि इसे जल्द से जल्द साफ कराया जाय। कोरोना महामारी के इस संकटकाल में कोई और बीमारी क्षेत्र में न फैले इसके लिए जल्द से जल्द इस कुंड को साफ कराना आवश्यक है।

लंदन से वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे 82 प्रवासी

बीते दिनों वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लंदन से 82 प्रवासियों को लेकर एयर इंडिया का विमान पहुंचा। एयर इंडिया का विशेष विमान AI 0112 वंदे भारत अभियान के तहत भारत की पहल पर लंदन में फंसे भारतीयों को वापस लेकर वाराणसी पहुंचा। लॉकडाउन के कारण विमान सेवाओं पर लगी रोक के बाद ये पहली कामर्शियल फ्लाइट आज वाराणसी पहुंची है। इन प्रवासियों को एयरपोर्ट से ले जाकर तीन होटेलों में निर्धारित खर्चे पर रोकने की व्यवस्था की गई है। इन प्रवासियों को वाराणसी में लाने और ठहराने की पूरी व्यवस्था प्रशासन द्वारा पहले ही कि जा चुकी थी। इन प्रवासियों के स्वागत के लिए स्थानीय विधायक डॉ अवधेश सिंह भी वहां मौजूद रहे। एयरपोर्ट पर मेडिकल टीम द्वारा जांच किये जाने के बाद इन प्रवासियों को होटेलों में ग्रेड के अनुसार विकल्प दिया गया।

श्रमिक और मजदूरों को बसों से भेजा जा रहा उनके गृह जनपद

कोरोना के कारण लगे इस देशव्यापी लॉकडाउन से सबसे ज्यादा नुकसान गैर राज्यों और गैर जनपदों में काम करने वाले गरीब श्रमिकों और मजदूरों को हुआ है। आपदा की इस घड़ी में हजारों किमी का सफर इन श्रमिकों ने पैदल ही पार करने का फैसला ले लिया है।

अब तो न पैसा रहा और न ही नौकरी ऐसी स्थिति और पैसों के अभाव में ये श्रमिक किसी तरह से अपने घर वापस पहुंचने के लिए बेताब है। कुछ जगहों पर कुछ श्रमिकों की सड़क हादसे में मौत होने के बाद अब राज्य सरकारें नींद से जागी है और मजदूरों को बसों और ट्रेनों के माध्यम से वापस उनके घर भेजने का काम कर रही है।

ऐसे में पीएम के संसदीय क्षेत्र से भी बाहर के राज्यों से वाराणसी पहुंचे लोगों को उनके गृह जनपद भेजने की व्यवस्था की गई है। वाराणसी के चौबेपुर थाना अंतर्गत संदाहा स्थान से इन मजदूरों को उनके घर भेजा जा रहा है। बसों के माध्यम से लगातार श्रमिकों और मजदूरों को भेजने की व्यवस्था की गई है।

संदाहा में एक स्थान पर इन मजदूरों की बाकायदा इंट्री की जा रही है कि उन्हें कहा जाना है। दूर दराज से आये इन मजदूरों को खाने पीने की व्यवस्था भी दी गयी है।

बदहाली की मार झेल रहे मजदूरों ने बताया कि वो किसी तरह से वाराणसी पहुंचे है और अब उन्हें यहां से बसों के माध्यम से घर भेजा जा रहा है।

HOTEL UTSAV RESIDENCY

FACILITIES:

- Take the Charge & Control of or Centralized Air Conditioned Rooms.
- For good picture quality & clear visibility, enjoy our 32" LCD Television.
- 24 Hours Room Service.
- Doctor on Call.
- Laundry Services.
- Medical Centre.
- Free Wifi.

LOCATION:

BABA COMPLEX, BHU ROAD, LANKA, VARANASI

Email: hotelutsavresidency@gmail.com
Tel. 0542-2367080

BABA RESTAURANT

The Restaurant serves everything from traditional Indian, Chinese and Continental Cuisine dishes.

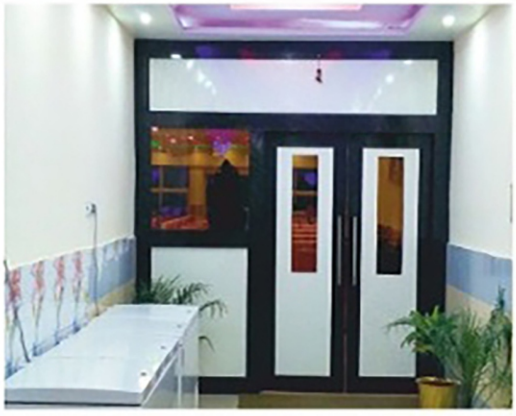

go mmt GROUP
make my trip | goibibo

शिक्षा-जगत

कोरोना संकट के बीच, इस राज्य में खुलने जा रहे हैं स्कूल- कॉलेज

21

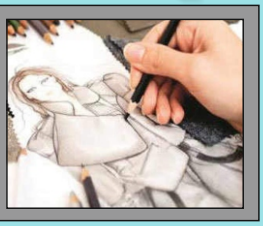

21

12वीं के बाद सुनहरा होगा भविष्य, बनें फैशन डिजाइनर

सीबीएसई: दसवीं के छात्रों को मिलेगा स्किल सब्जेक्ट का लाभ, मुख्य विषय में फेल होने पर छठे विषय से कर सकेंगे रिप्लेस

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की दसवीं की 2020 की बोर्ड परीक्षा दे चुके छात्रों को इस बार रिजल्ट में स्किल सब्जेक्ट का लाभ मिलेगा। दसवीं के विद्यार्थी अपने मुख्य तीन विषय गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में से किसी एक में फेल हो जाते हैं तो छठा विषय स्किल सब्जेक्ट से रिप्लेस कर दिया जाएगा। ऐसे में छात्र फेल होने से बच जाएंगे और उन्हें पास कर दिया जाएगा।

बोर्ड के इस नियम का लाभ 2020 के दसवीं के रिजल्ट में मिलेगा। बदले नियम के चलते अबकी बार रिजल्ट में फेल छात्रों की संख्या कम होगी। बोर्ड की नई सुविधा का लाभ केवल उन छात्रों को मिलेगा जिन्होंने छठे विषय के तौर पर स्किल सब्जेक्ट लिया है। सीबीएसई की ओर से इस समय दसवीं में लगभग 100 से अधिक स्किल विषय चल रहे हैं।

बोर्ड के नियम के अनुसार अभी टीम मुख्य विषय में फेल परीक्षार्थी को पास करने के लिए कंपार्टमेंटल परीक्षा देनी होती थी। अब एक विषय में फेल हैं तो कंपार्टमेंटल परीक्षा नहीं देनी होगी। अब इन छात्रों को स्किल सब्जेक्ट के नम्बर जोड़कर पास कर दिया जाएगा। बोर्ड की ओर से दसवीं में छठे विषय के तौर पर स्किल सब्जेक्ट की शुरुआत 2019 में की गई है। 2019 में नौवीं के छात्रों को भी यह सुविधा दी गई है।

स्किल सब्जेक्ट से खुलेगी कैरियर की राह-

स्किल सब्जेक्ट के प्रति छात्रों के रुझान से छात्रों की रुचि का भी पता चल सकेगा। ऐसे छात्र अपनी रुचि को आगे भी कैरियर के तौर पर बढ़ा सकते हैं, क्योंकि अब बोर्ड ने 11वीं और 12वीं में भी स्किल सब्जेक्ट को जोड़ दिया है। इंजीनियरिंग, मेडिकल के क्षेत्र में कैरियर का विकल्प स्किल सब्जेक्ट को पढ़ने से मिलेगा।

बारहवीं के छात्रों को 2022 से मिलेगा लाभ-

बारहवीं के बोर्ड छात्रों को इस सुविधा का लाभ 2022 की बोर्ड परीक्षा से मिलेगा। सीबीएसई के अनुसार 2022 में बारहवीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों को स्किल सब्जेक्ट से मुख्य विषय को रिप्लेस करने का मौका मिलेगा। सीबीएसई की ओर से 2020 में बोर्ड परीक्षा पास करने वाले दसवीं के छात्रों को जो ग्यारहवीं में प्रवेश लेंगे उन्हें मिल सकेगा। यह छात्र ग्यारहवीं में स्किल सब्जेक्ट रख सकेंगे। जो छात्र स्किल सब्जेक्ट रखेंगे उन्हें बोर्ड परीक्षा में किसी एक विषय में फेल होने पर स्किल विषय से रिप्लेस करने का मौका मिलेगा।

"2020 में दसवीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल छात्रों को रिजल्ट में नई सुविधा का लाभ मिलेगा। जो छात्र छठे विषय के रूप में स्किल सब्जेक्ट लिए है उनको लाभ मिलेगा। इसके चलते परिणाम अच्छा आएगा।''

कोरोना संकट के बीच, इस राज्य में खुलने जा रहे हैं स्कूल- कॉलेज

कोरोना वायरस के कारण, जहां देश में एक तरफ सभी शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। ऐसे में सिक्किम के शिक्षा मंत्री केएन लेप्चा ने घोषणा करते हुए कहा कि सभी स्कूल और कॉलेजों को फिर से खोला जा रहा है।

शिक्षा मंत्री ने कहा, "हम 15 जून से सभी स्कूलों और कॉलेजों को फिर से खोलने जा रहे। जिसमें 9वीं से 12वीं के छात्रों को स्कूल जाने की अनुमति है। वहीं नर्सरी से 8वीं के छात्र अभी स्कूल नहीं जा सकते हैं। स्कूलों में मॉर्निंग असेंबली की अनुमति नहीं दी जाएगी ताकि सोशल डिस्टेंसिंग नियम का उल्लंघन न हो।

सिक्किम राज्य में कोरोना का अब तक एक भी मामला नहीं आया है। यहां से कोरोना वायरस की जांच के लिए 81 सैंपल भेजे गए थे और सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है जिसके करण ये फैसला लिया जा रहा।

आपको बता दें, सिक्किम के अलावा, उत्तराखंड राज्य में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में परीक्षाएं 1 जुलाई, 2020 से शुरू होंगी। उन्होंने आगे कहा है कि एक महीने के भीतर परीक्षा पूरी हो जाएगी, जबकि 1 सितंबर, 2020 से नया प्रवेश शुरू होगा। आपको बता दें, धीरे- धीरे स्कूल कॉलेज खोलने के लिए नए नियम भी बनाए जा रहे हैं।

12वीं के बाद सुनहरा होगा भविष्य, बनें फैशन डिजाइनर

कौन नहीं चाहता कि उसका कल सुनहरा हो? समय रहते अगर सही फैसला किया जाएगा तो मंजिल मिल ही जाती है। चूंकि हर क्षेत्र की तरह शिक्षा क्षेत्र भी आज इस महामारी के चलते प्रभावित है इसलिए अनेकों राज्यों में बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है।

खास बात ये है कि यूपी बोर्ड की परीक्षाएं समय रहते संपन्न हो गई। छात्र-छात्राओं को अब परीक्षा के परिणामों का इंतजार है। अपना समय व्यर्थ करने की बजाय छात्र-छात्राएं अपने भविष्य के बारे में सोचें। यह समय उत्तम है। यहां हम आपको एक ऐसी फील्ड के बारे में बता रहे हैं जिससे माध्यम से आप प्राइवेट नौकरी के साथ सरकारी नौकरी भी पा सकते हैं।

फैशन डिजाइनिंग -

इसे महिलाओं के साथ-साथ लड़कों के लिए भी सबसे बेहतर करियर ऑप्शन के रूप में देखा जा रहा है।

आज के समय में हर किसी को तरह-तरह के फैशनेबल कपड़े पहनने का शौक है। ऐसे में फैशन डिजाइनर की मांग बढ़ जाती है।

फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने के लिए आपके पास 12वीं की डिग्री होनी आवश्यक है। इसके बाद आप फैशन डिजाइनिंग में आसानी से बैचलर डिग्री कोर्स कर सकते हैं।

लड़कियों के साथ-साथ लड़के भी इस क्षेत्र में अपना करियर सवार रहे हैं-

अगर आपके पास बेहतर क्षमता है तो आप इस फील्ड में सफलता की ऊंचाइयां चढ़ सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी भी कंपनी में फैशन डिजाइनर के तौर पर काम कर सकते हैं।

रोचक तथ्य

दुनिया की ऐसी 4 रहस्यमय जगह, जिनके बारे में आज तक वैज्ञानिक भी नहीं जान पाए:-

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जिनके बारे में सुन कर और देख कर भी विश्वाश करना मुमकिन नहीं होता है। और इन जगहों के बारे में रहस्य बना हुआ है जिनको सुलझाने के लिए कोशिश लगातार जारी है, लेकिन कोई भी इन जगहों के बारे में कुछ नहीं जान पाया है। आज आपको ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में बताएंगे

1. अमेरिका की डेथ वैली- इस जगह की सबसे बड़ा रहस्य यह है कि यहां का तापमान हमेशा ही 130 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, यहां पड़ने वाली गर्मी

से किसी की भी जान जा सकती है। साल 1913 में यहां 134.06 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड तापमान मापा गया था। यहां आज तक किसी को भी पानी का निशान तक नहीं मिला है और इसे दुनिया की सबसे गर्म जगह कहा जाता है। जहां किसी का रह पाना या ज़िंदा रहना मुमकिन नहीं है।

2. इथोपिया का दनाकिल रेगिस्तान- कहा जाता है कि दनाकिल रेगिस्तान की गर्मी धरती पर नर्क की आग का अहसास कराती है। दुनिया में जहां कुछ महीनों के अंतराल में मौसम बदलता है, कभी सर्दी होती है तो कभी गर्मी, लेकिन इस जगह पर पूरे साल न्यूनतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही रहता है। कभी-कभी तो पारा 145 डिग्री सेल्सियस भी हो जाता है। आग उगलने के कारण इस जगह को 'क्रुअलेस्ट प्लेस ऑन अर्थ' भी कहा जाता है, जिस कारण यहां के तालाबों का पानी हर वक्त उबलता रहता है। नेशनल जियोग्राफिक ने इसे 'पृथ्वी पर सबसे क्रूर जगह' कहा है। यहां 62,000 मील से अधिक क्षेत्र में रेगिस्तान फैला है।

3. अंडमान का सेंटिनल द्वीप- पूरे भारत में सेंटिनल द्वीप एक ऐसा जगह है जहां सबको आने जाने से मनाही है। क्योंकि सेंटिनल द्वीप पर खतरनाक आदिवासी रहते हैं, जिनका दुनिया में किसी से भी संपर्क नहीं है। ये लोग ना तो स्वयं इस द्वीप से बाहर आते हैं और न ही किसी बाहरी व्यक्ति को यहां आने देते हैं। इसके पीछे क्या कारण है, यह भी आज तक पता नहीं चल पाया है। यहां जाना लोगों के लिए बहुत जानलेवा होता है।

4. सांपों वाला द्वीप- ब्राजील में स्थित इलाहा दा क्यूमाडा एक ऐसा द्वीप है, जहां सांपों का शासन है। इस द्वीप से जुड़े रहस्य के बारे में आज तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इलाहा दा क्यूमाडा को सांपों वाला द्वीप के नाम से जाना जाता है। इस द्वीप पर गोल्डन लांसहेड वाइपर जैसे विषैले सांपों का घर है। साओ पाउलो से महज 20 मील की दूरी पर यह द्वीप स्थित है। यहां प्रति तीन फीट की दूरी पर एक से पांच सांप आसानी से मिल जाएंगे।

मनोरंजन

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की वाइफ ने भेजा तलाक की नोटिस और लगाए गंभीर आरोप:-

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी को उनकी पत्नी आलिया सिद्दीकी ने तलाक का नोटिस भेजा है। आपको बता दें कि आलिया ने शादी के 11 साल बाद नवाज को तलाक का नोटिस भेजा है और गंभीर आरोप भी लगाए है। दरअसल, स्पाटबॉय को दिए इंटरव्यू में आलिया ने नवाजुद्दीन और उनके परिवार पर कई गंभीर आरोप लगाए है। जब आलिया सिद्दीकी से पूछा गया कि जब वह आपके साथ गलत व्यवहार करते थे तो आपने उसी समय नवाज को क्यों नहीं छोड़ दिया और आगे क्यों नहीं बढ़ गईं? इस पर आलिया ने कहा, "मैंने शुरुआती सालों में एक बार उन्हें छोड़ा था। पूरे 1 साल के लिए मैं, अपने 6 महीने के बच्चे को लेकर उनसे अलग किराए के कमरे में रही थी। जब मैं उनसे अलग हुई तो मेरे पास कोई सपोर्ट नहीं था। मेरे माता-पिता ने भी मुझसे सारे संबंध खत्म कर लिए थे, क्योंकि मैंने दूसरे धर्म में शादी कर ली थी।" वहीं, जब आलिया से पूछा गया कि आप नवाज के पास दोबारा कैसे गईं, क्या उन्होंने आपको मनाया था? इस पर आलिया ने कहा, "वह 8 महीने तक हमारे बच्चे से मिलने तक नहीं आए थे। लेकिन जब हम दोबारा बात करने लगे, तो मैंने सोचा कि एक बार फिर मौका देना चाहिए।उन्हें काम मिलने लगा था, लेकिन मैं बिना किसी पैसे के उन्हें छोड़कर गई थी और मेरे पास एक छोटा बच्चा भी था। लेकिन कुछ नहीं बदला। बल्कि उनका गलत व्यवहार करना और ज्यादा बढ़ गया। मैंने उनके अफेयर्स के बारे में भी सुना

था. जब भी मैं घर से बाहर जाती थी, तभी उनकी कोई फीमेल दोस्त घर पर आ जाया करती थी। मैंने उनको उस हद तक झेला, जहां तक कोई उम्मीद भी नहीं कर सकता है।" अब इस बात में सच्चाई क्या है ये तो वक़्त ही बता सकता है।

बिग बॉस की कंटेस्टेंट रह चुकीं हिमांशी खुराना ने घर को बनाया रैंप :-

बिग बॉस की कंटेस्टेंट रह चुकीं हिमांशी खुराना को कौन नहीं जानता है, इन दिनों हिमांशी ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर अपनी कुछ रैंप वॉक की तस्वीर साझा की है। आपको बता दे की वायरस के कारण पूरे देश में लॉकडाउन घोषित किया जा चुका है। ऐसे में कलाकार घर में रहते हुए भी लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव नजर आ रहे हैं। वहीं, पंजाब की ऐश्वर्या राय और बिग बॉस की कंटेस्टेंट रह चुकीं हिमांशी खुराना ने तो घर को ही रैंप बना लिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने घर पर रहते हुए क्वारंटीन फैशन वीक शेयर किया, जिसमें वह वेस्टर्न से लेकटर ट्रेडिशनल तक कई अलग-अलग अवतार में नजर आईं। हिमांशी खुराना का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है, साथ ही फैंस हिमांशी के अंदाज की खूब तारीफें भी कर रहे हैं। हिमांशी खुराना वीडियो में सबसे पहले ऑरेंज ड्रेस में नजर आती हैं, जिसमें उनका लुक काफी जबरदस्त लगता है। इसके बाद वह प्रिंटेड आउटफिट में दिखाई देती हैं, जिसमें एक्ट्रेस का अंदाज देखने लायक होता है। इसके बाद हिमांशी खुराना गोल्डन शिमरी स्कर्ट और ब्लैक टॉप में कैट वॉक करती नजर आती हैं, जिसमें पंजाबी एक्ट्रेस का अंदाज देखने लायक होता है। हिमांशी खुराना का यह अंदाज देखकर उनके दोस्त और भाई भी उनकी खूब तारीफें करते हैं। इसके बाद हिमांशी ब्लैक ट्रेडिशनल ड्रेस में दिखाई देती हैं, जिसमें उनकी अदा तारीफ के लायक होती है। आखिर में हिमांशी ब्लैक ड्रेस में नजर आती हैं, जिसमें उनका लुक काफी जबरदस्त लगता है।

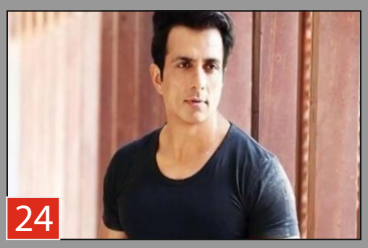

24

लॉकडाउन में 'रियल हीरो' बनें सोनू सूद, सरकार से पद्म भूषण देने की उठी मांग, अभिनेता ने रिएक्शन से जीत लिया सबका दिल

बॉलीवुड एक्टर मोहित बघेल का निधन

25

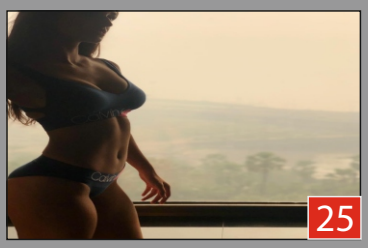

25

दिशा पटानी ने करवाया बीच पर शूट

प्रीति जिंटा ने शेयर किया एक्सरसाइज का अनोखा जुगाड

कोरोना वायरस के कारण सभी बॉलीवुड सितारे इन दिनों अपने घरों में समय बिता रहे हैं। इस बीच बॉलीवुड कलाकार फिट रहने की भी पूरी कोशिश कर रहे हैं और समय समय पर अपना वीडियो ओर फोटोज़ के अलावा अन्य सारे एक्टिविटीज सोशल मीडिया पर शेयर भी कर रहे है। इसी क्रम में एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने लॉकडाउन में एक्सरसाइज का नया तरीका ढूंढ निकाला है। दरअसल, एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह लैंप के सहारे वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। प्रीति जिंटा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, साथ ही लोग इसपर जमकर कमेंट भी कर रहे हैं।

प्रीति जिंटा के इस वीडियो में उनकी एनर्जी और अंदाज देखने लायक है। इसमें एक्ट्रेस येलो टी-शर्ट और ब्लैक टाइट्स में नजर आ रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए प्रीति जिंटा ने लिखा, "क्वारंटीन के दौरान फिट रहने का नया तरीका ढूंढ निकाला है। 4Dसाधारण शब्दों में, जुगाड़ ऐसा होता है।" एक्ट्रेस के इस वीडियो के लिए फैंस खूब तारीफ कर रहे हैं, साथ ही इसे अब तक करीब 2 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। बता दें कि प्रीति जिंटा ने इससे पहले भी अपना वर्कआउट वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह कुर्सी के सहारे एक्सरसाइज करती नजर आ रही थीं।

लॉकडाउन में 'रियल हीरो' बनें सोनू सूद, सरकार से पद्म भूषण देने की उठी मांग, अभिनेता ने रिएक्शन से जीत लिया सबका दिल

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद इन दिनों जिस तहर से प्रवासी श्रमिकों की मदद के लिए आए है उससे वो देशवासियों के चहेते बन गए हैं. सोनू सूद को इस नेक काम के लिए सोशल मीडिया पर खूब तारीफें मिल रही हैं. इसी बीच उनके काम से खुश होकर उनके एक फैन ने उन्हें सरकार से पद्म विभूषण देने की मांग कर दी. इसके बाद से अब एक्टर को पद्म विभूषण देने को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है. इसे लेकर सोनू सूद ने जो रिएक्शन दिया है उनसे भी उनके फैंस का दिल जीत लिया है.

सोनू सूद के काम से कायल हुआ उस व्यक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए ट्वीट किया, 'इस महामारी संकट में प्रवासी श्रमिकों के लिए मसीहा बने सोनू सूद को पद्म विभूषण के लिए सरकार से मांग करता हूं.'

इसका जवाब देते हुए सोनू सूद ने लिखा, 'मेरे द्वारा अपने घर पहुंचने वाले प्रवासी से मिलने वाली हर कॉल मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है. भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मुझे ये पुरस्कार हजारों में मिले हैं.' सोनू सूद का अब ये रिएक्शन भी काफी तेजी से वायरल हो रहा है.

आपको बता दें कि सोनू सूद ने अपने पैसों से बसें बुक करके प्रवासी मजदूरों को घर पहुंचाने का काम शुरू किया. जिसके बाद, सोनू हजारों की तादात में लोगों को उनके घर भेज चुके हैं. इस बारे में सोनू सूद का कहना है "जब तक हर एक प्रवासी मजदूर अपने घर नहीं पहुंच जाता अपनी मुहिम को जारी रखूंगा. इसके लिए चाहे कितना भी काम और मेहनत करनी पड़े. अंतिम मजदूर के उसके घर पहुंचने तक चैन से नहीं रह सकता."

बॉलीवुड एक्टर मोहित बघेल का निधन

बॉलीवुड एक्टर मोहित बघेल का बीते दिनों निधन हो गया है। मोहित बघेल 26 वर्ष के थे और सलमान खान के साथ फिल्म 'रेडी' में नजर आए थे। सूत्रों के मुताबिक पिछले साल दिसंबर से ही मोहित कैंसर से जंग लड़ रहे थे और मथुरा में अपना इलाज करवा रहे थे। मोहित बघेल के निधन का समाचार ड्रीमगर्ल फिल्म के डायरेक्टर राज शांडिल्य ने दिया। उन्होंने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी और मोहित बघेल के निधन के समाचार से बॉलीवुड में शोक की लहर दौड़ गई है। मोहित बघेल के निधन का समाचार देते हुए राज शांडिल्य ने ट्वीट किया, ''मोहित मेरे भाई, इतनी जल्दी क्या थी जाने की, मैंने तुझसे कहा था, देख तेरे लिए सारी इंडस्ट्री रुक गई है, जल्दी से ठीक होकर आ जा उसके बाद ही काम शुरू करेंगे, तू बहुत अच्छी ऐक्टिंग करता है, इसलिए अगली बार फिल्म के सेट पर ही तेरा इंतजार करूंगा, और तुझे आना ही पड़ेगा।' मोहित बघेल का जन्म 7 जून, 1993 को उत्तर प्रदेश के मथुरा में हुआ था. मोहित बघेल ने करियर की शुरुआत 'छोटे मियां' कॉमेडी शो से की थी. 'जबरिया जोड़ी' में भी मोहित नजर आए थे। मोहित बघेल 'बंटी और बबली 2' में भी नजर आने वाले थे।

दिशा पटानी ने करवाया बीच पर फोटोशूट

कोरोना वायरस द्वारा फैले महामारी की वजह से पूरे देश में लॉकडाउन है। जिसके वजह से बॉलीवुड के सभी एक्टर और एक्ट्रेस अपने अपने घरों में अपना समय बिता रहे है और साथ ही साथ घर के काम करते हुए या योगा और कुकिंग करते हुए अपना वीडियो लगातार अपने फैंस के बीच शेयर कर रहे है इससे ये बॉलीवुड सेलेब्स अपने फैंस से जुड़ने की कोशिश कर रहे है। ऐसे में दिशा पटानी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हो गई है।

वह अक्सर अपनी कोई ना कोई वीडियो या फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करती है और अपने फैन से साझा करती है। हाल ही में दिशा पटानी ने अपनी एक फोटोज अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से शेयर किया है। इस फोटो में दिशा पटानी बीच पर पोज दे रही है।

एक्ट्रेस दिशा पटानी इस फोटो में बीच पर मस्ती करती नजर आ रही हैं। फोटो में एक्ट्रेस बीच पर फ्लोरल प्रिंटिड बिकिनी में नजर आ रही हैं। साथ ही वह जबरदस्त अंदाज में पोज भी दे रही हैं। दिशा पटानी का यह अंदाज फैन्स को खूब पसंद आ रहा है। आपको बता दें की, लॉकडाउन के दौरान एक्ट्रेस ने अपनी पुरानी फोटो शेयर किया है जिसको उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और उनकी खूब तारीफ भी हो रहे है।

दिशा पटानी के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें फिल्म 'मलंग' में देखा गया, जिसमें उनके साथ एक्टर आदित्य रॉय कपूर, अनिल कपूर और कुणाल खेमू भी थे। वहीं, अब जल्द ही एक्ट्रेस दिशा पटानी सलमान खान के साथ फिल्म 'राधे' में नजर आएंगी। बता दें कि सलमान खान के साथ 'राधे' उनकी दूसरी फिल्म होगी। इससे पहले दिशा 'भारत' में सलमान खान के साथ नजर आ चुकी हैं।

सुहाना खान ने शेयर किया अपने बर्थ डे की फोटो

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख़ खान की बेटी सुहाना खान इन दिनों सुर्ख़ियों में हैं। आए दिन वो अपने किसी ना किसी पोस्ट और अपने हॉट फोटोज के लिए चर्चा में भी बनी रहती है। इस बार भी सुहाना खान ने अपनी फोटोज़ सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिससे उनके फैंस उनकी काफी तारीफ भी कर रहे है। दरसअल 22 मई को सुहाना का बर्थ डे था और अब वो पूरे 20 साल की हो गई है। लॉकडाउन के बीच सुहाना ने अपने जन्मदिन को घरवालों के साथ सेलिब्रेट किया। इस मौके पर सुहाना खान को सोशल मीडिया पर उनके फैन्स ने भी जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। सुहाना की बेस्ट फ्रेंड अनन्या पांडे और शनाया कपूर ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर सुहाना को बर्थडे विश किया। वहीं इस मौके पर उन्होंने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बर्थडे की पिक्स शेयर की हैं। साथ ही उन्होंने अपना एक स्लो मोशन वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वह बॉडीकोन ड्रेस में दिखाई दे रही हैं। इतना ही नहीं सुहाना ने अपने बर्थडे की फोटोज़ के साथ ही अपने भाई अब्राहम द्वारा दिए गए ग्रीटिंग कार्ड की भी तस्वीर शेयर की है। अपने ग्रीटिंग कार्ड में अब्राहम ने सुहाना को विश करते हुए लिखा, ''हैप्पी बर्थडे टू यू. तुम दुनिया की सबसे अच्छी बहन हो।'' सुहाना ने अपनी इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 10 सालों में मैं 30 साल की हो जाऊंगी।

पूजा पाठ चेनल द्वारा हिंदू धर्म और संस्कृति की पूर्ण और सही जानकारी देने का उत्तम प्रयास...

FOLLOW US ON:

facebook dailyhunt YouTube

Horoscope videos along with Puja Vidhi and other related videos are available on YouTube in Hindi.
Subscribe Puja Path for Spiritual and Religious Videos!

खेल-जगत

टीम के सीनियर खिलाड़ियों को लेकर रोहित शर्मा ने किया खुलासा, 'खुद न दौड़ना पड़े इसिलए मुझे दौड़ाया था'

कोरोना संकट के बीच पूरी दुनिया में कोई भी खेल टूर्नामेंट इस वक्त खेला नहीं जा रहा है। ऐसे में क्रिकेट टूर्नामेंट्स को भी रद्द कर दिया गया है जिसमें आईपीएल सबसे ऊपर था। लॉकडाउन के इस मुश्किल वक्त में सभी खिलाड़ी अपने घरों में बंद हैं जहां सोशल मीडिया पर सारे क्रिकेटर्स काफी एक्टिव हैं। इंस्टाग्राम पर रोजाना हर क्रिकेटर अपने ऑफिशियल आइडी से लाइव आता है और दूसरे क्रिकेटर्स से बात करता है। इसी बीच फैंस को इन क्रिकेटर्स के बारे में जानने का बेहतरीन मौका मिल रहा है। इस लिस्ट में चहल, रोहित शर्मा, शमी, युवराज, हरभजन, विराट, इशांत और दूसरे क्रिकेटर्स भी शामिल हैं।

ऐसी ही एक लाइव में टीम इंडिया के ओपनिंग बल्लेबाज रोहित शर्मा ने सीनियर खिलाड़ियों को लेकर अपना बयान दिया। रोहित ने बताया कि वो 25 या 26 साल के थे और उस समय टीम में काफी सीनियर खिलाड़ी थे। ये सभी खिलाड़ी दौड़ना नहीं चाहते थे और उन्होंने रोहित को ऐसे पोजिशन में लगाया था जहां उन्हें दौड़ना पड़े।

ठहरिये, आपको बता दें कि रोहित ने यहां किसी क्रिकेट मैच की बात नहीं की है बल्कि वो एक फुटबॉल मैच के बारे में बता रहे हैं। ये मैच बॉलीवुड सेलेब्स और क्रिकेटर्स के बीच खेला गया था जो एक चैरिटी मैच था। ऐसे में रोहित ने कहा कि, उस दौरान टीम में धोनी और युवराज जैसे खिलाड़ी थे जिन्हें दौड़ना पसंद नहीं था।

आपको बता दें कि भारतीय ओपनर रोहित शर्मा ने कहा है कि वो अपनी पिंडली की चोट से पूरी तरह उभर चुके हैं और कोरोना वायरस खत्म होने के बाद टीम इंडिया के लिए खेलने के लिए तैयार हैं। लेकिन उन्होंने यहां ये भी कहा कि उन्हें पहले फिटनेस टेस्ट क्लियर करना होगा तभी वो नेशनल टीम में शामिल हो पाएंगे। मुंबई का ये खिलाड़ी न्यूजीलैंड दौरे के दौरान चोटिल हो गया था जहां रोहित को वापस देश लौटना पड़ा था। चोट के कारण रोहित दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी शामिल नहीं थे लेकिन अंत में कोरोना के चलते उस सीरीज को भी रद्द कर दिया गया था।

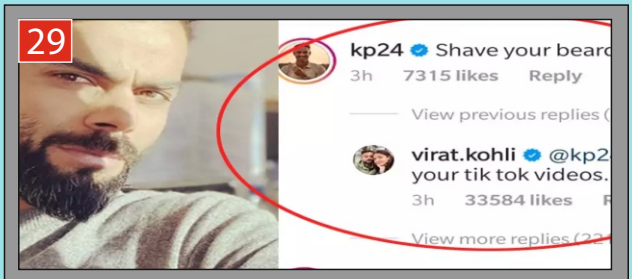

विराट कोहली की दाढ़ी पर केविन पीटरसन ने कसा तंज, वीराट ने दिया करारा जवाब

गेंद को चमकाने के लिए थूक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हमेशा के लिए नहीं - अनिल कुंबले

BCCI कम कर सकती है डोमेस्टिक टूर्नामेंट्स का आयोजन, दिलीप और देवधर ट्रॉफी खतरे में पड़ी

एक बार फिर से क्रिकेट इवेंट्स को शुरू करने के लिए बीसीसीआई फिलहाल दबाव में है। तो वहीं बीसीसीआई स्टाफ और एपेक्स काउंसिल के लिए सबसे बड़ा मुद्दा अध्यक्ष सौरभ गांगुली और सेक्रेटरी जय शाह की याचिका है जो सुप्रीम कोर्ट में उनके कार्यकाल को लेकर है। दोनों का कार्यकाल जून और जुलाई के महीने में खत्म होने वाली है। ऐसे में ये भी कहा जा रहा है कि कुछ फोकस क्रिकेट पर भी होगा जिसमें टीम इंडिया और डोमेस्टिक के लिए क्रिकेट की शुरूआत करनी है।

कई दिनों से ये बात चल रही है कि टीम इंडिया के लिए नेशनल कैम्प का आयोजन 15 जून से एनसीए बैंगलोर में करवाया जा सकता है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका का दौरा भी मुमकिन है। लेकिन अब बोर्ड डोमेस्टिक क्रिकेट को कम कर सकता है जिसकी शुरूआत सितंबर के महीने से होने वाली है। जानकारी के आधार पर इस कोरोना काल में बीसीसीआई ये कदम उठा सकती है जिसमें सिर्फ बेसिक टूर्नामेंट्स ही खेलने की बात कही जा रही है। ऐसे में बीसीसीआई दिलीप ट्रॉफी और देवधर ट्रॉफी को भी रद्द कर सकती है। इस बीच सईद मुश्ताक अली ट्रॉफी को शुरू किया जा सकता है। क्योंकि बोर्ड के दिमाग में अभी भी आईपीएल है। टूर्नामेंट को अगर कम किया जा रहा है तो ऐसे में आईपीएल डोमेस्टिक क्रिकेट के 2 महीने खा सकता है।

बोर्ड यहां पर सफेद गेंद क्रिकेट को ज़ोन आधारित कर सकता है जहां ये पांच ज़ोन में बंट जाएगा। इससे खिलाड़ियों और टीमों को ज्यादा यात्रा नहीं करनी पड़ेगी तो वहीं रोड ट्रेवल भी कम रहेगा। ऐसे में खिलाड़ियों के लिए भी एक सुरक्षित वातावरण तैयार किया जाएगा। रणजी ट्रॉफी फिलहाल लिस्ट में टॉप पर है। बीसीसीआई ने इससे पहले कई उम्र आधारित टूर्नामेंट्स शुरू किए थे जिसमें महिलाएं भी शामिल थी लेकिन अब इसे दोबारा पुराने तरीके से ही शुरू किया जा सकता है जहां सिर्फ एक ही टूर्नामेंट हुआ करता था।

पिछले कुछ सालों में बोर्ड ने डोमेस्टिक टूर्नामेंट्स को खत्म करने की कोशिश की क्योंकि ये ना तो सेलेक्टर्स और ना ही टीम के खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद था। लेकिन जिन लेजेंड्स क्रिकेटर्स के नाम पर इन टूर्नामेंट्स का नाम पड़ा था। उनकी खातिर बोर्ड को काफी फजीहत झेलनी पड़ी। ऐसे में अब कोरोना संकट के बीच बीसीसीआई आखिरकार इन डोमेस्टिक टूर्नामेंट्स को कम करने का फैसला कर सकती है।

रैना-रोहित के बीच है इतनी गहरी दोस्ती? दोनों ने एक ही फोटो को पोस्ट कर किया इमोशनल इज़हार

भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और रोहित शर्मा की दोस्ती जूनियर क्रिकेट के दिनों से चली आ रही है

और इनकी दोस्ती के बारे में तो सभी जानते हैं। लेकिन दोनों की दोस्ती कितनी गहरी है इसका अंदाजा तब हुआ, जब दोनों क्रिकेटरों ने एक ही फोटो को पोस्ट करते हुए इमोशनल अंदाज में दोस्ती का इजहार किया। इस फोटो में उन्होंने अपने क्रिकेट करियर के शुरुआती दिनों की याद को भी ताजा किया है और साथ ही अपने फैंस को भी उस दौर की याद दिला दी है, जब भारतीय क्रिकेट बल्लेबाजी के 'फैब-4' और गेंदबाजी के 'फैब-2' के गोल्डन पीरियड से निकलकर युवा हाथों में ट्रांसफर हो रही थी।

रोहित ने पोस्ट किया था 2009 के न्यूजीलैंड दौरे की फोटो

दरअसल रोहित शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट किया है, जिसमें पहाड़ों के मनोरम बैकग्राउंड के सामने वह, रैना और प्रज्ञान ओझा बैठे दिखाई दे रहे हैं। कैप्शन में रोहित ने बताया है कि ये फोटो 2009 के न्यूजीलैंड दौरे की है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया है कि ये तीनों ही क्रिकेटरों का पहला न्यूजीलैंड दौरा था। रोहित ने ओझा की मस्त अंदाज में खिंचाई करते हुए यह भी लिखा कि ओझा मुझे याद है तुम्हारी स्माइल कितनी प्यारी थी। रोहित के पोस्ट करते ही इस फोटो को फैंस ने हाथोहाथ लिया और करीब 10 लाख लोगों ने इस पोस्ट को लाइक भी कर दिया।

रैना ने बिग बी की फिल्म के गाने के संग किया शेयर

रोहित के बाद बारी थी सुरेश रैना की। रैना ने ये फोटो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बिग बी अमिताभ बच्चन की फिल्म के एक गाने के साथ शेयर किया है। इस गाने के बोल हैं, 'इस बेढंगी दुनिया के संगी हम ना होते यारा, अपनी तो यारी अतरंगी है रे' यानी सीधे तौर पर उन्होंने इस गाने के जरिये अपनी दोस्ती को याद किया है।

ओझा ने भी शेयर किया इस फोटो को

रोहित और रैना के बाद पूर्व भारतीय खब्बू स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने भी इस फोटो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। ओझा ने कैप्शन दिया है,'हमें कुछ बेहतरीन यादें साथ संजोई हैं।' आपको बता दें कि ओझा इस दौरे के बाद कई साल तक टीम इंडिया का अहम हिस्सा रहे थे और उन्होंने 100 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए थे। लेकिन बाद में एमएस धौनी के रवींद्र जडेजा को ज्यादा तरजीह देने के कारण ओझा का करियर बीच में ही खत्म हो गया।

विराट कोहली की दाढ़ी पर केविन पीटरसन ने कसा तंज, वीराट ने दिया करारा जवाब

कोरोनावायरस के कारण पूरी दुनिया में हर तरह की खेल गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में क्रिकेटर घरों में रहकर अपना पूरा समय परिवार वालों के साथ बिता रहे हैं। इसके साथ-साथ कई क्रिकेटर इन दिनों सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीर भी शेयर कर रहे हैं। हाल ही में भारतीय कप्तान विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की जिसपर इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी केविन पीटरसन ने कमेंट किया। पीटरसन ने अपने कमेंट के जरिए कोहली को ट्रोल करने की कोशिश की। पीटरसन ने कमेंट में कोहली के लुक को बदलने की सलाह दी और दाढ़ी हटाने के लिए कहा, इस पर कोहली ने मजेदार जवाब देते हुए कहा कि, "आपके टिकटॉक वीडियो से बेहतर है"

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले डेविड वॉर्नर ने बॉलीवुड एक्टर अक्षर कुमार की फिल्म हाउसफुल 4 का गाना बाला पर एक टिकटॉक वीडियो शेयर किया था और कोहली ने 'लॉफ्टर इमोजी' कमेंट में शेयर किया था, इसके बाद वॉर्नर ने कोहली को टिकटॉक पर आने का न्योता दिया और ये भी कहा कि आप अपना अकाउंट बनाने के लिए वाइफ से मदद ले सकते हैं। इन दिनों युजवेंद्र चहल, डेविड वॉर्नर और कविन पीटरसन टिकटॉक पर फनी वीडियो लगातार बना रहे हैं। लॉकडाउन में सबसे पहले इसकी शुरुआत चहल ने की थी फिर बाद में वॉर्नर ने वीडियो बनाना शुरु किया और अब वो टिकटॉक किंग बन चुके हैं। वॉर्नर अपने वीडियो में कई तरह से यूनिक एक्सपेरिमेंट करते हैं जो फैन्स को काफी पसंद भी आता है।

आपको बता दें कि कोरोनावायरस के कारण आईपीएल (IPL) जैसे बड़े टूर्नामेंट को भी स्थगित कर दिया गया है। वैसे भारत में लॉकडाउन के दौरान कुछ राहत दी गई है और खेल परिसर को खोला गया है। भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार स्टेडियम में बिना दर्शकों के साथ अभ्यास और बाकी खेल गतिविधियां कराई जा सकती है। लेकिन अभी भी मैचों को लेकर किसी तरह की कोई खबर नहीं आई है। वैसे, खबरों की मानें तो बीसीसीआई सितंबर-अक्टूबर में आईपीएल (IPL 2020) को करा सकती है। वहीं, दूसरी ओर 28 मई को आईसीसी (ICC) टी-20 वर्ल्डकप (T20 World Cup) को लेकर एक बैठक की गयी जिसके बाद बोर्ड मीटिंग में कोई फैसला नहीं हो पाया शायद इसीलिए मामले को 10 जून तक टाल दिया गया है। इस साल ऑस्ट्रेलिया में 18 अक्टूबर से १५ नवंबर के बीच वर्ल्ड कप होना प्रस्तावित किया गया है। बैठक के बाद ऑस्ट्रेलिया में होने वाले T20 वर्ल्ड कप को 2022 तक टालने का एलान किया जा सकता है। ऐसे भी कयास लगाए जा रहे थे कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अक्टूबर में आईपीएल 2020 का आयोजन करा सकता है।

जूनियर सहवाग' को क्रिकेट की पिच पर लाने की तैयारी, वीरू कर रहे हैं कोशिश

भारतीय टीम में कितने भी शानदार क्रिकेटर क्यों न आ जाएं, लेकिन कुछ नामों का रंग शायद ही कभी फीका पड़ेगा। इन नामों में जहां क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर का नाम स्वभाविक है तो वहीं वीरेंद्र सहवाग भी इस लिस्ट में अहम हिस्सा हैं। वीरू के नाम से मशहूर वीरेंद्र सहवाग के नाम का जलवा अगले कुछ साल में फिर से क्रिकेट की पिच पर देखने को मिलने जा रहा है। इसके लिए वीरू जमकर मेहनत कर रहे हैं। लेकिन ज़रा रुकिए, आपको बता दें कि न तो यह विस्फोटक बल्लेबाज फिर से बल्लेबाजी चालू करने जा रहा है और न ही क्रिकेट कोच बनने की योजना बना रहा है। दरअसल यंहा मामला तो कुछ और ही है।

अपने बेटे आर्यवीर को बल्लेबाज बना रहे हैं वीरू

दरअसल वीरेंद्र सहवाग अपने बड़े बेटे आर्यवीर सहवाग को अपने जैसा ही विस्फोटक बल्लेबाज बनाने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। वीरू कई

बार आर्यवीर के नेट प्रैक्टिस में बल्लेबाजी करते हुए, फील्डिंग करते हुए और फिटनेस ट्रेनिंग करते हुए वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर करते हैं। वे खुद ही आर्यवीर को बल्लेबाजी के टिप्स दे रहे हैं और जब टीम इंडिया के इतिहास में पहला तिहरा शतक बनाने वाला बल्लेबाज टिप्स दे रहा तो निश्चित तौर पर आर्यवीर का प्रदर्शन तो बेहतर होना तय ही है।

घर में ही बनवा रखी है प्रैक्टिस के लिए पिच

13 साल के आर्यवीर को किसी भी तरह की दिक्कत ना हो और वो क्रिकेट पर पूरी तरह ध्यान लगा सके, इसके लिए वीरू ने अपने फार्महाउस जैसे आलीशान घर में ही क्रिकेट की पिच और नेट प्रैक्टिस की अन्य सुविधाएं जुटा रखी हैं। साथ ही आर्यवीर के लिए वहीं पर शानदार जिम की भी व्यवस्था की हुई है। **शेष पेज 46 पर...**

गेंद को चमकाने के लिए थूक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हमेशा के लिए नहीं - अनिल कुंबले

आईसीसी क्रिकेट समिति के अध्यक्ष अनिल कुंबले ने कहा कि गेंद को चमकाने के लिए थूक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश हमेशा के लिए नहीं की जा रही है। यह सिफ़ारिश अस्थायी रूप में होगी। थूक के इस्तेमाल से कोरोना का खतरा बना रहता है जिसकी वजह से इस पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है लेकिन आने वाले सालों में कोरोनावायरस महामारी पर नियंत्रण पा लिया जाएगा तब सबकुछ सामान्य हो जाएगा और इस प्रतिबंध को हटा दिया जाएगा।

कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स शो क्रिकेट कनेक्टेड में कहा, 'हमारी प्राथमिकता खिलाड़ियों का स्वास्थ्य है। इसी कारण थूक का इस्तेमाल न करने की सिफारिश की गई है।' अब इस सिफारिशों को जून में होने वाली चीफ एग्जीक्यूटिव्स की मीटिंग में रखा जाएगा। वहां इन पर आखिरी फैसला होगा।

'खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को लेकर जोखिम नहीं ले सकते'

पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, ''इस प्रस्ताव पर बॉलरों की मिली जुली प्रतिक्रिया आ रही है। यह सही है कि लार का इस्तेमाल नहीं करने से बॉल ज्यादा स्विंग नहीं करेगी। लेकिन इसके लिए खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को लेकर कोई रिस्क नहीं लिया जा सकता है।''

वैकल्पिक पदार्थ पर भी चर्चा हुई थी

कुंबले ने थूक की जगह मोम का इस्तेमाल किए जाने को लेकर कहा है, ''आईसीसी में वैकल्पिक पदार्थ को लेकर चर्चा हुई थी। अगर हम इतिहास को देखें तो पता चलेगा कि हमने हमेशा से ही खेल में बाहरी चीजों की दखलअंदाजी को खत्म करने का काम किया है।'' उन्होंने 2018 के बॉल टैम्परिंग का उदाहरण देते हुए कहा कि बॉल से छेड़छाड़ करने पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर प्रतिबंध लगाया गया था।

पूर्व हॉकी खिलाड़ी बलबीर सिंह का 96 की उम्र में निधन, "वे अच्छे खिलाड़ी होने के साथ मेंटर भी थे"- प्रधानमंत्री मोदी

हॉकी के महान खिलाड़ियों में शुमार बलबीर सिंह सीनियर का 96 साल की उम्र में मोहाली में निधन हो गया। वे पिछले दो हफ्ते से यहां के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती थे। हॉकी इंडिया ने भी पूर्व ओलिंपियन बलबीर सिंह के निधन पर दुख जताया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी पूर्व ओलिंपियन खिलाड़ी बलबीर सिंह के निधन पर दुख जताया। मोदी ने ट्वीट कर कहा कि बलबीर सिंह ना सिर्फ अच्छे खिलाड़ी थे, लेकिन बतौर मेंटर भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी थी। उन्हें पूरा देश उनके खेल के लिए याद रखेगा। उन्होंने कई मौकों पर देश का सम्मान बढ़ाया।

इस पूर्व ओलिंपियन खिलाड़ी को 8 मई को निमोनिया और तेज बुखार की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उन्हें तीन बार दिल का दौरा भी पड़ा था। दिमाग में खून का थक्का जमने की वजह से वे 18 मई से कोमा में थे।

बलबीर सिंह ने हेलसिंकी ओलिंपिक के फाइनल में पांच गोल दागे थे

बलबीर ने 1952 के हेलसिंकी ओलिंपिक के फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ 5 गोल किए थे। किसी ओलिंपिक फाइनल में सबसे ज्यादा गोल करने का उनका यह रिकॉर्ड आज भी कायम है जिसे भारत ने यह मुकाबला 6-1 से जीता था।

वे तीन बार के ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट थे

वे लंदन (1948), हेलसिंकी (1952) और मेलबर्न (1956) ओलिंपिक खेल में गोल्ड जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। उन्हें अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक कमेटी ने आधुनिक ओलंपिक इतिहास के 16 महानतम खिलाड़ियों में शामिल किया था। वे इस लिस्ट में शामिल होने वाले देश के इकलौते खिलाड़ी थे।

पद्मश्री हासिल करने वाले देश के पहले खिलाड़ी थे

इस पूर्व ओलम्पियन को 1957 में पद्मश्री दिया गया था। बलबीर सिंह यह सम्मान हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे। वे 1975 में इकलौते हॉकी वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मैनेजर थे।

बलबीर सिंह की कप्तानी में भारत ने 1956 ओलम्पिक में गोल्ड जीता था

बलबीर सिंह ने भारत के लिए 61 मैचों में 246 गोल किए थे। 1956 मेलबर्न ओलिंपिक में उन्होंने भारतीय दल की अगुआई की थी। तब उनकी कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 1-0 से हराकर लगातार तीसरी बार गोल्ड जीता था।

पूजा-पाठ

अगर आप अपने घर में मंदिर बनवा रहे है तो आपको वास्तु के कुछ बातो का ध्यान रखना होगा:-

अगर आप हिंदू धर्म से है तो आपको पता ही होगा कि हिन्दू धर्म में किसी भी शुभ कार्य के पहले ईश्वर का आशीर्वाद लेना शुभ माना जाता है। वैसे तो भगवान की पूजा के लिए लोग बाहर मंदिर में जाते हैं। लेकिन घर में भी भगवान की पूजा-अर्चना करने के लिए पूजा घर बनाते हैं। आपको बता दे की घरों में भगवान के मंदिर की अपनी एक विशेष जगह होती हैं। हम सभी घर के मंदिर को अपनी श्रद्धा और भक्तिभाव से सजाते हैं, लेकिन वास्तुशास्त्र के मुताबिक घर के मंदिर को सजाने के लिए कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए। घर में हमेशा मंदिर बनवाने के लिए सही दिशा और स्थान का चयन करना चाहिए, गलत स्थान पर मंदिर बनवाने और पूजा करने से घर से सुख समृद्धि दूर हो जाता है, और घर में हमेशा कलेश बना रहता है और नकारात्मक ऊर्जा का घर में प्रवेश होता है। आज आपको इस पोस्ट से कुछ ऐसे बातों के बारे में बताएंगे जिसको जानना आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहेगा।

1. इस दिशा में होना चाहिए मंदिर और साथ ही अपनी दिशा का भी रखें ध्यान-

वास्तु के हिसाब से घर में मंदिर को स्थापित करने के लिए घर का सबसे शुभ स्थान ईशान कोण यानी उत्तर पूर्व दिशा होती है। यह दिशा भगवान के मंदिर को रखने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। घर का मंदिर बनाते समय न सिर्फ मंदिर की सही दिशा बल्कि अपनी दिशा का भी ध्यान रखना चाहिए। जब हम किसी प्रतिमा या फिर तस्वीर की पूजा करते हैं तो हमारा मुंह भी पूर्व की दिशा में होना चाहिए। अगर पूर्व दिशा में मुंह नहीं कर सकते तो पश्चिम दिशा भी शुभ मानी जाती है। इन दोनों दिशा की ओर ही मुंह करके पूजा पाठ करना चाहिए। यह दोनों दिशाएं वास्तु के हिसाब से पूजा करने के लिए सही होती हैं।

2. मंदिर कितने ऊंचाई पर रखें और आरती के बाद रखें इन खास बातों का ध्यान-

कई घरों में मंदिर जमीन पर बनाया जाता है, माना जाता है कि ऐसा लोग बैठकर पूजा करने के लिए करते हैं। जबकि वास्तु के हिसाब से मंदिर की ऊंचाई इतनी हो कि भगवान के पैर और हमारे हृदय का स्तर बराबर तक होना चाहिए। ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि ईश्वर सबसे सर्वोच्च हैं और हम उनका मंदिर या उन्हें किसी भी तरह अपने से नीचे आसन नहीं दे सकते हैं।अधिकांश घरों में मंदिर में पूजा करने और आरती करने के बाद दीया को वहीं पर रख दिया जाता है लेकिन वास्तु के अनुसार, यह तरीका गलत होता है। दीया हमेशा घर के दक्षिण में रखना चाहिए। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होगा।

3. किस धातु का हो मंदिर और घर में किस जगह बनाएं पूजाघर-

कई लोग अलग-अलग के धातुओं से बने मंदिर में भगवान की प्रतिमाएं रख देते हैं जो कि उचित नहीं है। वास्तुशास्त्र कहता है कि भगवान का मंदिर लकड़ी का ही होना चाहिए। इसके पीछे मान्यता है कि लकड़ी घर में सौभाग्य अथवा गुड लक की प्रतीक होती है। इसलिए लकड़ी से बना मंदिर बेहतर माना जाता है। कुछ लोग संगमरमर के बने मंदिर में भी भगवान को रखते हैं। संगमरमर से बना मंदिर भी घर के लिए अच्छा माना जाता है क्योंकि संगमरमर से भी घर में सुख-शांति आती हैं।कई लोग जिस कमरे में उठते, बैठते और लेटते हैं वहीं पर ही मंदिर भी बना लेते हैं। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि सुंदर और भव्य मंदिर घर की साज-सज्जा में चार-चांद लगाता है। जबकि वास्तु के अनुसार, अगर आपका घर पर कम जगह है तो आपको अलग से विभाजित करके उचित दिशा के साथ मंदिर के लिए स्थान निकालना चाहिए । घर बड़ा है तो मंदिर को अलग कमरे में ही रखने का प्रयास करना चाहिए।

4.कैसा हो मंदिर की दीवार का रंग और भूल कर भी ना लगाए मंदिर में ऐसी तस्वीरें-

कुछ लोग मंदिर बना लेते हैं लेकिन कभी भी मंदिर वाले स्थान पर किसी भी स्थिति में चले जाते हैं, यह वास्तु के हिसाब से उचित नहीं माना जाता है। वास्तु कहता है कि पूजा वाले कमरे में तब ही जाएं जब साफ सुथरे हों या फिर पूजा-पाठ करनी हो तो जाएं। इसके अलावा मंदिर के कमरे की दीवार का रंग का चुनाव भी थोड़ा ध्यान से करना चाहिए। वास्तुशास्त्र के अनुसार, पीले, हरे या फिर हल्के गुलाबी रंग की दीवार मंदिर के लिए शुभ होती है, हालांकि ध्यान रखें कि मंदिर की दीवार का रंग एक ही होना चाहिए।कई लोग घर के मृतक सदस्य की तस्वीर को भगवान के मंदिर में या उसके आस-पास रख देते हैं और भगवान की पूजा के साथ-साथ उनकी पूजा भी करने लगते हैं। वैसे तो यह गलत है मगर, वास्तु के हिसाब से अगर आप तस्वीर को रखना ही चाहते हैं तो आपको भगवान के मंदिर के बने हुए लेवल यानि जहां भगवान की प्रतिमा हो उससे नीचे के स्थान पर रखना चाहिए।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए यह माह मिला जुला परिणाम लेकर आयेगा। इस माह आपको नौकरी से संबंधित अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। यदि आप कोई व्यापार करते हैं तो, व्यापार के सिलसिले में आपको अधिक प्रयास करने पड़ेंगे। विद्यार्थियों की बात करे तो विद्यार्थियों के लिए यह महीना आपके लिए काफी उपयोगी साबित होने वाला है, आपको अपनी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम मिलेंगे। आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्यक्रम भी हो सकता है। प्रेमी जोड़ियों के लिए यह महीना मिला जुला रहेगा। वैवाहिक जीवन कि बात करे तो महीने का पूर्वार्ध काफी बेहतर रहेगा और इस दौरान आपके दांपत्य जीवन में ख़ुशियों की वृद्धि होगी। आर्थिक दृष्टिकोण से भी यह महीना आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है।

उपाय- प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करें और आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ भी प्रतिदिन करें।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों को, इस माह चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इस माह आपको हर एक काम सोच समझ कर करना होगा जिससे अपका परिवारिक जीवन में सब कुशल मगल बना रहेगा और आपको अच्छे फल प्राप्त होंगे। इस माह भाग्य आपका साथ देगा और इसलिये कार्यक्षेत्र और शिक्षा के क्षेत्र में आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। जो लोग अपने कार्य स्थल और जॉब में अपना ट्रांसफर करवाना चाहते थे उनका यह सपना भी इस माह पूरा हो जाएगा। इस राशि के लोगों के प्रेम जीवन की बात की जाए तो, इस माह अपनी बातों से आप अपने प्रेमी या प्रेमिका पर तंज कस सकते हैं। यदि आप शादीशुदा हैं तो जीवनसाथी का सहयोग आपको कई मुश्किलों से इस माह बचा सकता है। आपके संतान के कारण समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है। अपका आर्थिक पक्ष भी इस माह मजबूत रहेगा। स्वास्थ्य की बात करे तो इस माह अपका पूरा परिवार स्वस्थ रहेगा।

उपाय- प्रतिदिन माता सरस्वती अथवा माता राधा या तारा जी की पूजा करें और गौ माता को हरा चारा, हरी सब्ज़ियाँ और गेहूं का आटा अपने दोनों हाथों से खिलाएं।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों का इस माह फैसला लेने का क्षमता बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपको मनचाहे परिणाम इस माह मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन में आपकी स्थिति सुधरेगी और परिवार के लोगों के बीच सामंजस्य की स्थित को देखकर आप खुश होंगे। दांपत्य जीवन की बात करे तो कुछ परेशानियां इस माह आ सकती हैं। हालांकि अपनी चतुरता से आप अपने जीवनसाथी के मन की बातों को जान लेंगे और फिर उनको हल करने की कोशिश करेंगे। इस माह अपका यात्रा करने का योग बन रहा है लेकिन आपको इस महीने यात्रा करने से बचना चाहिये। इस राशि के विद्यार्थियों के लिये यह माह बहुत अच्छा रहेगा। यदि आप विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करने की सोच रहे थे तो, आपका सपना इस माह साकार हो सकता है। प्रमी जातकों की बात करे तो आपका लवमेट काम या पढ़ाई के सिलसिले में इस माह आपसे दूर जा सकता है। दांपत्य जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं इसलिये संभलकर रहें। स्वास्थ्य के लिहाज में अपका और आपके पूरे परिवार का स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

उपाय- सूर्य देव की आराधना करें और प्रतिदिन सुबह उठकर सूर्य नमस्कार की क्रिया करें। साथ ही शनिवार के दिन छाया दान करें तथा गरीब अथवा दिव्यांगजन को मुफ्त में दवाइयाँ वितरित करें।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों को जून के महीने में स्वास्थ्य के प्रति विशेष रूप से समझदारी बरतनी होगी। इस माह कुछ स्थितियां आपके पक्ष में नहीं होंगे। बात करे आपके आमदनी और खर्चों की तो उसमें आपको दोनों ही स्तर पर उन्हें सोचना होगा। आपका पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। जून में आपके छोटी मोटी यात्राओं के योग हैं। परिवार के लोग इस माह आपके साथ खड़े दिखाई देंगे, और इसी वजह से आप बड़ी से बड़ी समस्याओ का निवारण कर लेंगे। इस माह आपका मानसिक तनाव कुछ हद तक कम होगा और आप खुलकर अपने परिवार और अन्य परिस्थितियों के बारे में विचार करेंगे। अपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

उपाय- शनिवार के दिन शाम के समय पीपल के वृक्ष की जड़ में सरसों और अथवा तिल के तेल का दीपक जलाएं और वृक्ष की सात परिक्रमा लगाएं।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों को जून के महीने में कुछ नई योजनाओं में निवेश करने का मौका मिल सकता है। आपकी वो योजना, जो काफी समय से पूरी नहीं हो पा रही थी, आपको उन्हें वापस शुरू करने का मौका मिलेगा, जिससे आपका आर्थिक परिस्थिति थोड़ा सुधरेगा और आपकी आमदनी के रास्ते खुलेंगे। इसके अलावा आपको आपके परिवार के लोगों का सहयोग भी मिलेगा। इस माह किसी बाते में आकर ससुराल पक्ष के लोगों से कहासुनी हो सकती है। इसलिए वाद विवाद को आगे ना बढ़ने दें तो बेहतर होगा। यदि आप विदेश जाने का प्रयास कर रहे हैं, तो इस संबंध में सोच-समझकर खर्च करें क्योंकि अभी परिणाम आने में थोड़ा समय और लग सकता है। आपको सलाह दी जाती है कि इस माह आपका स्वास्थ्य के प्रति संजीदा रहना ही बेहतर होगा। और परिवार का स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहेगा।

उपाय- सूर्य देव की स्तुति करें और मंगलवार के दिन हनुमान मंदिर जाकर हनुमान जी को चोला चढ़ाएं। साथ ही बृहस्पतिवार के दिन भगवान विष्णु की उपासना करें।

कन्या राशि

जून में कन्या राशि के जातक अपनी व्यवहारकुशलता के कारण कई कामों को बड़ी आसानी से कर पाएंगे। इस माह आपका दिमाग कंप्यूटर की तरह तेज चलेगा और कार्यस्थल पर आप अपने हर काम को चुटकियों में कर लेंगे। पारिवारिक जीवन में आपकी स्थिति थोड़ी तनावपूर्ण रहेगा। इस माह आपके छुपे हुए विरोधी आप से जीत नहीं पाएंगे, लेकिन महीने के शुरुवात में आपको विरोधियों से थोड़ा सतर्क रहना बेहतर होगा। इस माह आपको आपके भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। जो भी यात्राएं आप इस महीने करेंगे वो आनंददायक और लाभदायक रहेंगी। परिवार में भाई बहनों से बेहतर संबंध बनाकर रखें। व्यवसाय में आप अपने काम पर पूरा ध्यान देंगे और इसकी बदौलत आपको अच्छे परिणाम की प्राप्ति होगी। इस महीने आपको इस बात का विशेष ध्यान रखना है कि अपने काम से ही मतलब रखें।

उपाय- बुधवार के दिन शाम के समय काले तिलों का दान करें और अपनी कुल देवी या कुल देवता की विधिवत पूजा करें।

तुला राशि

इस महीने तुला राशि के जातक अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सावधान रहें। ग्रह स्थिति के चलते आपके कुछ पुराने राज़ भी बाहर निकल सकते हैं, जिसकी वजह से आपकी मानहानि हो सकती है। यदि इस माह आप कोई गलती करते हो तो, उसे स्वीकार करने से परहेज ना करें, क्योंकि ऐसा करना आपके ही पक्ष में रहेगा। जून में होने वाली लंबी दूरी की यात्राएं आपको रोमांच से भर देंगी और आपको दीर्घकाल तक लाभ देने वाली होंगी। आप इस दौरान अपने मकान की मरम्मत का काम भी करवा सकते हैं। इस माह विद्यार्थियों कि बात करे तो इस माह शिक्षा में व्यवधान आ सकता है। पारिवारिक जीवन की बात की जाए, तो शनि बृहस्पति का योग आपके लिए मिले जुले परिणाम लेकर आएगा। और स्वास्थ्य के लिहाज में आपके और आपके परिवार का स्वास्थ्य सामान्य बना रहेगा।

उपाय- गौ माता की नियमित सेवा करें और उन्हें गुड़ तथा आटा खिलाएं। इसके अलावा गुड़, चना और लाल मसूर की दाल का दान करें।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के जातको को जून महीने के दौरान अपने आप पर भरोसा रखना होगा। इस माह आत्मविश्वास के साथ जिस भी काम में आप हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। इस दौरान छोटी-मोटी समस्याओं के अलावा कोई बड़ी समस्या आपको परेशान नहीं करेगी और स्वास्थ्य भी आपका ठीक ठाक ही रहेगा। आपके अंदर आलस्य की बढ़ोत्तरी हो सकती है, जो आपके महत्वपूर्ण कार्यों को आप से टलवा देगी और आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। वृश्चिक राशि के जातकों को अपने माता जी के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। इस माह होने वाली छोटी यात्राओं के दौरान पूरी तैयारी से जाएं। प्रेमी जातकों के लिए यह महीना सामान्य तौर पर अच्छा रहेगा। इस महीने के पूर्वार्ध में वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं और किसी से भी वाहन माँग कर ना चलाएँ। यदि विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से देखें, तो आपकी निष्ठा अपनी पढ़ाई में बढ़ेगी और आप एकाग्र चित्त होकर अपनी विद्या पर ध्यान लगाएंगे।

उपाय- बंदरों को गुड़ और चना अथवा चूरमा का भोग लगाएं और मस्तक पर केसर का तिलक लगाएं।

धनु राशि

धनु राशि के जातकों पर अभी साढ़े साती का प्रभाव चल रहा है, जिसकी वजह से आपके कुटुंब में कुछ समस्याएं रह सकती हैं, और आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको धन के मामले में इस दौरान अच्छी सफलता मिलेगी और आप धन अर्जित कर पाने में सफल होंगे। आप की राशि का स्वामी वक्री अवस्था में है, जिसके कारण आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा तथा खान-पान की आदतों पर भी नियंत्रण रखना होगा। आपको इस माह अत्यधिक भोग विलास की आदत से बचना होगा और मर्यादित आचरण करना चाहिए। आपको किसी अन्य के झगड़े में हाथ नहीं डालना चाहिए, इसमें आपकी दिक्कत बढ़ने की संभावना हो सकती है। महीने के शुरुवात में आपको कानून के विरुद्ध जाकर कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए, नहीं तो परेशानी उठानी पड़ सकती है। कुलमिलाकर यह महीना आप के लिए बेहतर रहेगा और संतान को भी बेहतर परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज में अपका और आपके पूरे परिवार का स्वास्थ्य ठीक ठाक रहने वाला है।

उपाय- शनिवार के दिन छाया पात्र का दान करना चाहिए आपको एक पीपल का पेड़ लगाना चाहिए

मकर राशि

मकर राशि के जातकों को जून के महीने के उत्तरार्ध में किसी यात्रा पर जाने का मौका मिलेगा। दूसरी ओर आपका मन जीवन से संबंधित काफी गहन चिंता भी में लगेगा। इस माह काफी लोग आप लोगों को आवश्यक कार्यों के लिए सलाह भी दें सकते हैं, जिससे आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। जून में मकर राशि के वे जातक जो कानून से जुड़ा कोई कार्य करते हैं उन्हें बेहतरीन परिणाम मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम को लेकर इस माह बहुत संजीदा रहेंगे। यदि आपकी आर्थिक स्थिति पर नजर डालें, तो महीने के पूर्वार्ध में आपको धन के मामलों में बेहतर नतीजे मिल सकते हैं। यदि प्रेम जीवन की बात की जाए तो इस माह प्रेमियों के लिए उत्तम संयोग बन रहे है। स्वास्थ्य के लिहाज में अपका और आपके पूरे परिवार का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

उपाय- बृहस्पतिवार और शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष को छुए बिना जल चढ़ाना चाहिए तथा उनकी आराधना करनी चाहिए।

कुम्भ राशि

कुंभ राशि के जातकों को इस माह काफी लाभ हो सकता है, लेकिन आपको अत्यधिक सोचने की आदत से आपको कुछ स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, ऐसी लिहाज से आपको अपने आदतों से बाहर निकलना होगा। पारिवारिक जीवन की बात करें तो अपका परिवार जून में सामान्य तौर पर चलता रहेगा। इस दौरान आपको संतान से संबंधित कोई अच्छी खबर मिल सकती है। इस महीने आपका काफी खर्चे हो सकता है, जिन्हें नियंत्रण में रखना आपके लिए आवश्यक होगा। इस महीने आपको अपने गुस्से पर भी नियंत्रण करना होगा, क्युकी इससे अपका बनता हुआ काम भी बिगड़ सकता है। इस महीने कुम्भ जातक वालों को वाहन की प्राप्ति होने के अच्छे योग बनेंगे। अगर विद्यार्थियों की बात की जाए तो इस महीने कुंभ राशि के विद्यार्थी काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। माता - पिता का स्वस्थ भी इस महीने अच्छा रहेगा।

उपाय- भगवान भैरव नाथ की उपासना करें तथा रविवार के दिन भैरव मंदिर जा कर दो इमरती और दूध अर्पित करें।

मीन राशि

मीन राशि के जातकों को इस महीने ज़्यादा सोच समझ कर अपनी आदतों को नियंत्रित करना होगा। इस महीने आपके परिवार के प्रति लगाव आपको बहुत सम्मान दिलाएगा और आप जो भी प्रयास करेंगे, वे आपके काम आएँगे। इस दौरान आप मानसिक से अधिक शारीरिक मेहनत करेंगे। लेकिन इस मेहनत से आपको बेहतर नतीजे मिलने वाले हैं। इसके अलावा संतान की ओर से इस महीने आपको कुछ अच्छे समाचार मिलेंगे, लेकिन आपको अपने संतान के सेहत के प्रति ज्यादा सतर्क रहना होगा। इस महीने आपके माताजी का स्वास्थ्य कुछ हद तक प्रभावित हो सकता है। इस माह छोटी-मोटी यात्राएं आनंद का माध्यम बनेंगी।

उपाय- मंगलवार के दिन छोटे बालकों को गुड़ और चना बांटे और सोमवार के दिन भगवान शिव जी की और हनुमान जी की पूजा उपासना करें।

L. JEE HOME FURNITURE

FURNITURE TO FIT EVERY STYLE EVERY BUDGET UNDER ONE ROOF

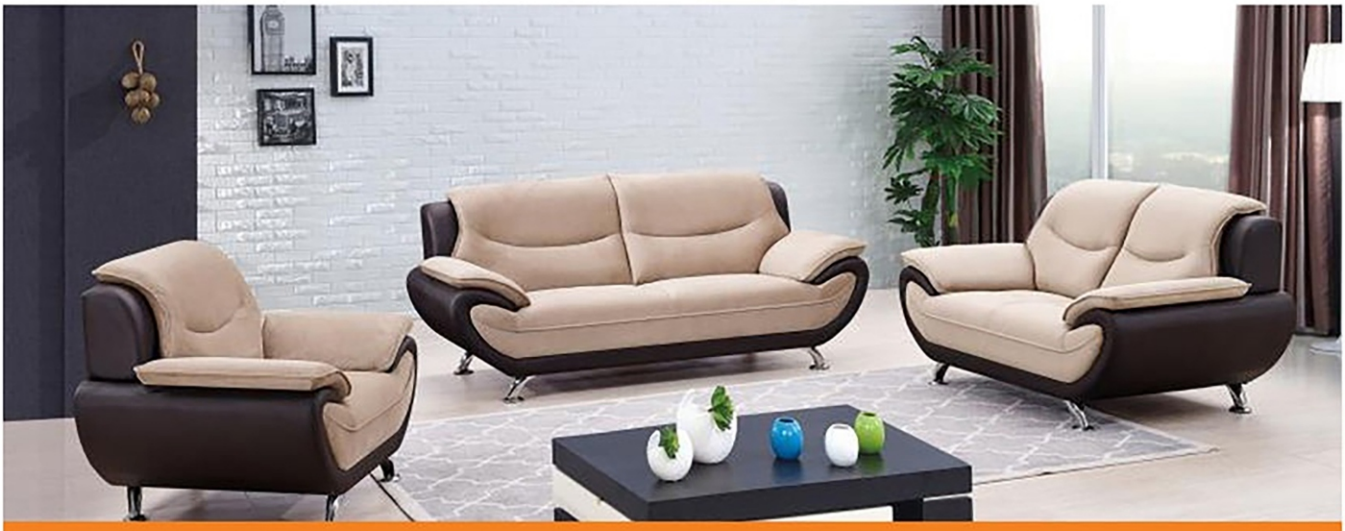

ONE OF THE OLDEST FURNITURE MANUFACTURER IN VARANASI

OPEN EVERY DAY MONDAY TO SUNDAY 9:00 AM TO 7:00 PM

080099 89900, 91612 44466
080099 89900
l.jeehome@gmail.com
https://ljeehomefurniture.business.site/

Manduadih - Madauli Road
Near Kashi Gomti Bank,
Madauli, Varanasi, Uttar Pradesh,
India - 221108

विविध

पाकिस्तान के करांची इंटरनेशनल एयरलाइंस के पास हुआ बड़ा हादसा

लॉक डाउन के दौरान कोरोना महामारी से जूझ रहे पाकिस्तान में बड़ा हादसा हुआ। हादसे में घरेलू उड़ान के लिए चालू किये गए फ़्लाइट A-320 लैंडिंग के दौरान दुर्घटना ग्रस्त हो गया।

सूत्रों से मिले जानकारी के अनुसार विमान के इंजन में ब्लास्ट के साथ आग लगने के कारण विमान लैंडिंग के दौरान ही मकानों पर गिर गया। इस विमान हादसे की चपेट में आने वाले कई मकानों में आग लग गयी।

विमान के पायलट ने घटना के पहले हेड क्वाटर को अवगत कराया कि इंजन फेल हो गया है और लैंडिंग के लिए आवश्यक स्थान की बात की लेकिन अचानक से ब्लास्ट हो गया और विमान रिहायशी इलाके में गिर गया।

पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक मौके पर फायर ब्रिगेड़, सेना के जवानों के साथ अन्य दस्ते जूट गए। फिलहाल घटना में मरने वालों का आंकड़ा 90 तक पहुंच गया है मगर विमान में लगभग 98 लोगों के होने की बात कही जा रही है।

व्हाइट हाउस में गुंजा मन्त्रोच्चारण

चीन के वुहान शहर से फैलने वाले कोरोना वायरस ने सबसे अधिक तांडव अमेरिका में मचाया। दुनिया भर में कोरोना के संक्रमण की जद में सबसे अधिक लोग अमेरिका में पाए गए।

अमेरिका में कोरोना के संक्रमण से लगभग 13 लाख लोग शिकार हो चुके है और लगभग 77 हजार से भी अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

इस सबके बीच अमेरिका में प्रार्थना दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में एक हिंदू पुरोहित द्वारा शांति पाठ का आयोजन किया गया। कोरोना के संकट से जूझ रहे अमेरिका के प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कुशलता के लिए पुरोहित हरीश ब्रह्मभट्ट ने अन्य धर्मों के विद्वानों के साथ प्रार्थना की।

हरीश ब्रह्मभट्ट न्यूजर्सी के राबिंसविले स्थित बीएपीएस स्वामी नारायण मंदिर के पुरोहित है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आमंत्रण पर व्हाइट हाउस पहुंचे थे।

37

नेपाल ने भारतीय सेना प्रमुख के बयान को बताया अपमानजनक

37

कोरोना मामले में दोषारोपण करने वालों को चीन ने दिखायी अकड़

38

लोक प्रियता के मामले में मोदी ने सबको पछाड़ा

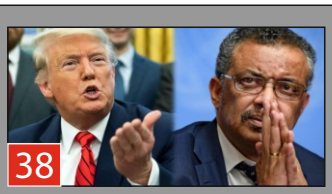

38

अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से तोड़े संबंध, रुक सकती है फंडिंग

नेपाल ने भारतीय सेना प्रमुख के बयान को बताया अपमानजनक

लिपुलेख से लेकर मानसरोवर तक सड़क निर्माण पर नेपाल की आपत्ति के बाद से ही दोनों देशों में अब वाद विवाद होने की शुरुवात हो गई है। नेपाल की आपत्ति के बाद भारतीय सेना प्रमुख एमएम नरवाने ने कहा कि नेपाल किसी और के कहने पर विरोध जता रहा है।

इसके जवाब में नेपाली अखबार राइजिंग स्टार को दिए साक्षात्कार में नेपाल के रक्षा मंत्री ईश्वर पोखरेल ने कहा कि भारतीय सेना प्रमुख का बयान नेपाल के इतिहास में अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि नेपाली गोरखाओं को इस बात से बहुत कष्ट पहुंचा है क्योंकि भारत के लिए नेपाली गोरखाओं ने हमेशा बलिदान दिया है।

सड़क निर्माण पर सेना प्रमुख ने कहा था कि काली नदी के पश्चिम में सीमा सड़क संगठन द्वारा बनाई गई सड़क भारत की सीमा के अंदर है। चीन का नाम लिए बिना ही सेना प्रमुख ने कहा था कि इस सड़क को लेकर आपत्ति करना ये साबित करता है कि ये किसी के कहने पर किया जा रहा है।

ब्राजील से आने वाले यात्रियों पर अमेरिका ने लगाई रोक

कोरोना महामारी के बीच ब्राजील से आने वाले यात्रियों पर अमेरिका व्हाइट हाउस ने प्रतिबंध लगा दिया है। वैसे ये प्रतिबंध सिर्फ विदेशी नागरिकों के लिए ही होगा।

इस मामले में व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव केयलेग मैकेननी ने बयान जारी करते हुए कहा कि प्रतिबंध सिर्फ विदेशी यात्रियों के लिए ही है जो 14 दिन ब्राजील में रहकर अमेरिका आना चाहते है।

अमेरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका में फैले कोरोना के प्रकोप को देखते हुए पहले से ही ब्रिटेन, यूरोप, चीन और आयरलैंड पर प्रतिबंध लगा चुके है।

वैसे कोरोना के सबसे अधिक मरीजों की संख्या के दृष्टिकोण से तीसरे नम्बर पर रहे रूस के नागरिकों के अमेरिका आने पर अभी प्रतिबंध नही लगाया गया है।

कोरोना मामले में दोषारोपण करने वालों को चीन ने दिखायी अकड़

वुहान लैब से कोरोना के संक्रमण के पैदा होने की बात पर चीन अब तिलमिला गया है उसने साफ अंदाज में कहा कि जो देश कोरोना वायरस के मामले में मुआवजे का विचार के रहे है उनके लिए ये दिवास्वप्न जैसा है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि कोविड-19 को लेकर चीन के खिलाफ लाये गए किसी भी मुकदमे का कानून या अंतरराष्ट्रीय मिसाल में शून्य तथ्यात्मक है। इस प्रकार के मुकदमे करना कानून अंतरराष्ट्रीय नियम पर कुठाराघात है।

अमेरिका पर कटाक्ष करते हुए चीन के विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका कोरोना को लेकर झूठे तथ्य पेश कर रहा है जबकि चीन इस संकटकाल में भी दूसरे देशों के साथ खड़ा है। अमेरिका को चीन के संबंध में झूठ बोलना और षड्यंत्र करना बंद करना होगा।

लोक प्रियता के मामले में मोदी ने सबको पछाड़ा

कोरोना के इस संकट काल मे जहां सारी दुनिया संक्रमण के खतरे से जूझ रही है वहीं प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता इस महामारी के बीच भी बढ़ती ही जा रही है।

कोरोना काल मे नरेंद्र मोदी के सुदृण नेतृत्व ने ट्रम्प और पुतिन को पीछे छोड़ दिया है। कोरोना महामारी के बीच सूझबूझ का परिचय देने और सही निर्णय लेने के कारण नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता ने अमेरिका और रूस के दिग्गजों से कही अधिक बढ़ गई है।

अमेरिका फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे के मुताबिक पिछले कुछ माह में नरेंद्र मोदी की हाई एप्रूवल रेटिंग काफी बढ़ गई है। रेटिंग में प्रधानमंत्री की लोकप्रियता 80 फीसद से बढ़कर 90 फीसद हो गयी है।

देश के भीतर भी नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता किसी से छिपी नही है। नरेंद्र मोदी के द्वारा लिए गए निर्णय कभी वापस नही लिए गए। इस वैश्विक महामारी के बीच भी नरेंद्र मोदी विश्व की सभी बड़ी

हस्तियों को पछाड़ चुके है।

अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से तोड़े संबंध, रुक सकती है फंडिंग

कोरोना के कारण सबसे अधिक कोई देश अगर प्रभावित हुआ है तो वो अमेरिका है। अमेरिका ने कोरोना वायरस के बारे में समय से सही जानकारी न देने का हवाला देते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन से सारे संबंध तोड़ लिए है।

संबंध विच्छेद के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन के अमेरिका से होने वाली फंडिंग पर भी प्रभाव पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन को होने वाली फंडिंग को दो से तीन महीने तक रोकने के संकेत दिए है। ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन पर चीन के इशारे पे चलने का आरोप लगाते हुए सारे रिश्ते तोड़ने का ऐलान किया है जिसका फायदा सीधे तौर पर चीन को होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस गेब्रेयसस ने पूरी दुनिया को कोविड-19 महामारी देने वाले चीन की तारीफ की और कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम को लेकर चीन की रणनीति को सफल बताया, जिसको लेकर पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य संगठन की मंशा को लेकर सवालिया निशान उठ खड़े हुए है।

अमेरिका और विश्व स्वास्थ्य संगठन के रिश्ते के आयी दरार का लाभ चीन को मिलेगा। इस विवाद के कारण चीन विश्व स्वास्थ्य संगठन में अपनी फंडिंग को बढ़ा सकता है और अमेरिका से रिश्तों में आयी खटास का लाभ उठा सकता है।

स्वास्थ्य

आप नहीं जानते होंगे आखिर क्यों लगती है हमें गर्मी की लू?

गर्मी के मौसम में जब सूरज की किरणें आग उगलने लगती हैं तो धरती के तापमान में वृद्धि होने लगती है। ऐसे में फिजा यानि की हवा भी गर्म चलती है।

ऐसे माहौल में हमारे बदन का तापमान सामान्य से ज्यादा बढ़ता रहता है, कई मर्तबा जब यह तापमान 102 डिग्री फारेनहाइट से 100 डिग्री फारेनहाइट तक चला जाता है तो हमारे शरीर में घबराहट होती है तथा अर्द्ध चेतना की अवस्था भी आ जाती है- आखों के समक्ष काले-पीले अंधेरे छाने लगते हैं। ऐसे में शरीर की नब्ज की गति भी कम हो जाती है।

हां, इसी अवस्था में हमारे शरीर को गर्मी की 'लू' अपनी चपेट में जकड़े रखती है। वैसे हमारे मस्तिष्क में तापमान नियंत्रित करने का एक कक्ष भी होता है, जो बदन के तापमान को नियंत्रित करता है, यह वातावरण के अनुसार बदन को गरम या ठंडा रखता है। लेकिन ऐसी स्थिति में हाथ-पैरों में जलन होने लगती है। आंखें भी लाल होकर जलने लगती हैं तथा बार-बार प्यास लगने लगती है।

आखिर गर्मी की लू हमारे शरीर को क्यों लगती है? इसके कई कारण हैं, जैसे शरीर में पानी की मात्रा की कमी होना, शरीर में नमक की मात्रा का अचानक घट जाना, धूप में लगातार कार्य करते रहना, घर से भूखे पेट निकलकर धूप में अधिक देर तक भ्रमण करना, धूप से आने के बाद तुरंत ठंडा पानी पी लेना आदि।

जानिए ऑरेंज जूस के 10 बेहतरीन लाभ

खट्टे-मीठे रसीले संतरे किसे नहीं पसंद। गर्मियों में उन्हें खाना या उनका जूस पीना ताजगी से भर देता है। आइए हम आपको बताते हैं नियमित खट्टे-मीठे रसीले संतरे खाने या संतरे का जूस पीने से आपको कौन से सेहत और सौन्दर्य से सम्बंधित फायदे मिल सकते हैं?

-संतरे में विभिन्न पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसकी बड़ी खूबी यह है कि इसमें कैलोरीज काफी कम होती है।

-किसी भी प्रकार का सैचुरेटेड फैट या कोलेस्ट्रॉल संतरे में नहीं होता है। इसके विपरीत इसे खाने से डायट्री फायबर मिलता है, जो इन हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर करने में सहायक होता है।

-संतरा डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए टॉनिक की तरह काम करता है। संतरे में सबसे अधिक मात्रा विटामिन सी की होती है। यह एक साइट्रस फ्रूट है और इस प्रकार के फ्रूट्स विटामिन सी के अच्छे स्रोत होते हैं।

-संतरा नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट होता है और इम्युनिटी बढ़ाता है।

-खून साफ करने के साथ ही यह स्टेमिना बढ़ाने में भी मददगार होता है।

-आंखों के लिए लाभकारी विटामिन ए इसमें अच्छी मात्रा में मिलता है।

-यह विटामिन बी कॉम्प्लेक्स का स्रोत भी है, जो हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ाता है।

-विटामिन के अलावा संतरे से पोटैशियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स भी मिलते हैं।

-यह हार्ट रेट और ब्लडप्रेशर रेगुलेट करता है और हड्डियों को मजबूत बनाता है।

-संतरे में एंटी इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज होती है और यह हमारे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस को बनाए रखने में मदद करता है।

मास्क 'रक्षा कवच' है, लेकिन गलत इस्तेमाल हो सकता है 'खतरनाक'

कोरोना के समय में मास्क लोगों के लिए रक्षा कवच के तौर पर काम कर रहा है। यह एक छोटी सी चीज है, लेकिन इससे आपकी जान बच सकती है। ऐसे में यह जानना बेहद जरुरी है कि इसका उपयोग कब, कैसे और क्यों किया जाए। ऐसा नहीं है कि सिर्फ मास्क लगाना ही पर्याप्त है, इसका गलत उपयोग आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। दरअसल, मास्क को लेकर ऐसी बहुत सी बातें हैं जो आमतौर पर हम नहीं जानते हैं, लेकिन अगर उनका ध्यान नहीं रखा जाता है तो ये हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक भी साबित हो सकता है।

आइए जानते हैं कैसे और कब करें मास्क का इस्तेमाल-

यह आपको जानना चाहिए कि ब्रिटेन, अमेरिका और सिंगापुर में लोगों को सलाह दी गई है कि अगर वो बीमार नहीं है तो मास्क ना ही पहनें।

मास्क पहनना अच्छी बात है, लेकिन बेवजह और गलत तरीके से किए गए इस्तेमाल की वजह से यह कार्बनडाइआक्साइड टॉक्सीसिटी कर सकता है। इससे आंखों की विजिब्लिटी कम हो सकती है। सुनने में भी दिक्कत आ सकती है। कन्फ्यूजन, सिरदर्द कर सकता है। इतना ही नहीं, इसका ज्यादा इस्तेमाल हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर भी बढा सकता है।

तो कब पहने मास्क?

-अगर आप स्वस्थ हैं और किसी कोरोना संक्रमित व्यक्ति की देखभाल कर रहे हैं तो उस स्थिति में आपको मास्क पहनने की ज़रूरत है।

-अगर आपको सर्दी है या फिर खांसी आ रही है, गले में खराश है और थकान है तो मास्क पहनें और घर पर ही रहें।

-कुछ लोगों को लगता है कि मास्क पहन लिया तो सुरक्षित हो गए, लेकिन ऐसा नहीं है। मास्क पहनना तभी सही और कारगर होगा जब आपके हाथ भी साफ़ हों।

-हाथ साफ़ करने के लिए एल्कोहॉल बेस्ड हैंड सोप या सेनेटाइज़र का इस्तेमाल करें।

-सबसे ज़रूरी है कि आपको मास्क पहनने और इस्तेमाल करने का तरीक़ा पता हो।

कैसे इस्तेमाल करें मास्क?

-मास्क ऐसे पहने की मुंह और नाक पूरी तरह ढकें और कोशिश करें कि आपके मास्क और मुंह के बीच कोई गैप ना रहे।

-मास्क पहनते समय मास्क को ना छुएं। पहनने और उतारने के लिए मास्क की बेल्ट से ही उसे छुए।

-मास्क को जितनी जल्दी-जल्दी हो सके बदलते रहें।

-एक बार यूज़ किया गया मास्क दूसरी बार इस्तेमाल न ही करें तो बेहतर होगा।

-मास्क उतारने के लिए उसे पीछे की ओर से उतारें। सामने की तरफ से उसे हाथ ना लगाएं।

-यूज किए मास्क को तुंरत नष्ट कर दें।

-मास्क कम समय के लिए पहना जाना चाहिए। लंबे समय तक नहीं।

ज्यादा वक्त तक मास्क पहनने के दुष्परिणाम-

ज्यादा समय तक मास्क पहनने से उसके दुष्परिणाम भी आपको उठाना पड सकते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक यह खतरनाक हो सकता है।

-इससे आंखों की विजिब्लिटी कम हो सकती है।

-सुनने में भी दिक्कत आ सकती है।

-कन्फ्यूजन और सिरदर्द कर सकता है।

-इसका ज्यादा इस्तेमाल हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर भी बढा सकता है।

-इससे खून में ऑक्सीजन कम हो सकती है।

-कमजोरी हो सकती है।

-मास्क सिर्फ बाहर जाते समय या संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने के दौरान ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

जब अकेले हों तो मास्क का इस्तेमाल न करें। कार में चलते समय मास्क न पहने। घर में कोई बीमार न हो तो इस्तेमाल न करें। सिर्फ भीड़ वाली जगह पर मास्क का इस्तेमाल करें।

दिनभर मास्क लगाने से हमारे खुद के ही कीटाणु हमारे भीतर चले जाते हैं। यह नुकसानदायक है। मास्क की जरुरत नहीं होने पर हमें खुले में सांस लेना चाहिए।'

मशरूम के बेहतरीन फायदे आपको कर देंगे हैरान

मशरूम के आपने कई फायदे सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं? मशरूम के सेवन से आप तंदुरुस्त रहने के साथ-साथ अपनी खूबसूरती को भी बढ़ा सकते हैं।

आइए जानते हैं मशरूम से होने वाले बेमिसाल फायदे।

मशरूम त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करता है-

-मशरूम से स्कीन संबधित समस्या से निजात मिलती है, जैसे मुंहासे व एग्जिमा से निजात दिलाने के लिए मशरूम बहुत फायदेमंद है।

-मशरूम में मौजूद कोजिक एसिड नेचुरल स्कीन लाइटनर का काम करता है।

-मशरूम में विटामिन बी, डी, पोटैशियम, कॉपर, आयरन और सेलेनियम भरपूर मात्रा में होता है। यह मांसपेशियों की सक्रियता में बेहद फायदेमंद होता है।

-मशरूम में भरपूर एंटीऑक्सीडेंट होते है, जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने और वजन घटाने में मदद करते हैं।

-मशरूम में मौजूद तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

-यदि आप नियमित तौर पर मशरूम खाते हैं तो मान लीजिए कि आपकी आवश्यकता का 20% विटामिन डी आपको इसके सेवन से मिल रहा है।

मशरूम में बहुत कम मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं जिससे आपका वजन और ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है।

-मशरूम में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी अधिक नहीं होती, साथ ही इसके सेवन से काफी वक्त तक भूख भी नहीं लगती।

-मशरूम का सेवन केवल सेहत ही नहीं बल्कि बालों और त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है। यहां तक कि कुछ स्टडी में यह भी बताया गया है कि इसके नियमित सेवन से कैंसर होने की आशंका भी कम होती है।

गृहणी

लॉकडाउन में घर पर करें फ्रूट फेशियल

कहते हैं कि यदि आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो रोज एक फल जरूर खाएं। रोज फल खाने की सलाह तो डॉक्टर भी देते हैं। फ्रूट के नियमित सेवन से न सिर्फ आप फिट रहते हैं, बल्कि इनमें मौजूद विटामिन्स आपको खूबसूरत त्वचा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं त्वचा पर फलों को लगाने से आप अपने चेहरे से दाग-धब्बे भी मिटा सकती हैं और मनचाहा ग्लो अपनी त्वचा पर पा सकती हैं।

आपने फ्रूट फेशियल के बारे में तो सुना ही होगा और इसे करवाने के लिए पार्लर में जो पैसे वसूले जाते हैं, इस बात से भी आप वाकिफ होंगी। लेकिन जब आप फ्रूट फैशियल को घर पर ही कर सकती हैं, तो बार-बार पार्लर जाने की क्या आवश्यकता? वैसे भी लॉकडाउन की वजह से इस वक्त सभी सैलून और पार्लर बंद हैं। लेकिन इस बात से परेशान होने की कोई जरूरत नहीं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप कुछ आसान तरीकों को अपनाकर घर पर ही फ्रूट फेशियल कर सकती हैं।

आइए जानते हैं कुछ आसान टिप्स...

क्लींजर

इसके लिए कच्चा दूध ले लीजिए। इसमें कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और थोड़ा-सा शहद मिला लें। अब इन्हें अच्छी तरह मिक्स करके अपने पूरे चेहरे पर लगा लें और अपने चेहरे को क्लीन कर लें।

फ्रूट स्क्रब

इसे बनाने के लिए आप केले को अच्छी तरह से मैश कर लें। इसमें आधा चम्मच शहद मिला लें, साथ ही चावल का आटा मिला लें। इस पेस्ट से चेहरे पर स्क्रब कर लें।

मसाज

चेहरे पर मसाज करने के लिए केले व पपीते को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इसमें 1 चम्मच कच्चा दूध मिला लें। इस पेस्ट से चेहरे पर मसाज करें।

फेसमास्क

फेसमास्क के लिए केले और पपीते को मिला लें। इसमें आधा चम्मच शहद मिला लें। चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें।

त्वचा की समस्या से हैं परेशान तो अपनाएं ये खास टिप्स

आप अपने शरीर को खूबसूरत दिखाने के लिए बहुत खर्च तो करती हैं, लेकिन दिनभर में जाने-अनजाने कई बार कुछ ऐसे पेय पदार्थों का सेवन कर लेती हैं जो आपकी खूबसूरती को नुकसान पहुंचा रहे हो, तब आपका सारा बाहरी

खर्च पानी में बह जाता है। ऐसा न हो इसलिए आपको इन 3 ड्रिंक्स के बारे में पता होना जरुरी है, जो आपकी स्किन को नुकसान पहुंचाते है। आइए, जानते हैं इन्हीं के बारे में-

1. कॉफी :

कॉफी में कैफीन व शुगर की अधिक मात्रा होने के कारण यह त्वचा पर कील-मुंहासों का कारण बनती है। कॉफी में मौजूद टैनिग त्वचा को शुष्क बनाती है।

2. एल्कोहल :

एल्कोहल त्वचा की नमी को सोख त्वचा में ढीलापन लाता है। बहुत से कॉकटेल, डाइग्यूरस और मार्गरिटा में शुगर की बहुत अधिक मात्रा होती है, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाती है।

3. सोडा व कोल्ड ड्रिंक :

सोडा और कोल्ड ड्रिंक में मौजूद शुगर व अन्य सामग्री हमारे स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह होती है। सोडे की अधिक मात्रा शरीर में पानी के स्तर को कम कर देती है। शरीर व बेहतर स्वास्थ्य के लिए जहां तक संभव हो, हमें सोडा पीने से तौबा करनी चाहिए।

लॉकडाउन में बनाएं चिल्ड मिल्कशेक, मिलेगी तपती गर्मी से राहत

1 लीटर दूध, 200 ग्राम शकर, 1 कप क्रीम, 1 छोटा चम्मच इलायची पावडर, थोड़ी-सी केसर, कुछ बूंदें मीठा खाने वाला हरा रंग, बारीक कतरा मेवा, वनीला एसेंस, बर्फ।

विधि:

दूध में शक्कर मिलाकर उबाल लें। ठंडा करके इलायची पावडर, वनीला एसेंस व क्रीम मिलाएं। इसे तीन हिस्सों में बांट लें। एक हिस्से में हरा रंग मिलाएं, दूसरे में केसर को मिक्स करें, तीसरा हिस्सा सफेद ही रखें। तीनों हिस्से कोअलग-अलग फ्रीजर में ठंडा होने के लिए रख दें।

सर्व करने से पहले हर हिस्से को मिक्सर में फेंट लें। कांच के गिलासों में पहले थोड़ी कुटी बर्फ डालें। हरे रंग का दूध, फिर थोड़ी-सी बर्फ, केसरिया दूध, बर्फ और अंत में सफेद दूध भरें। सतह पर कतरा मेवा बुरक दें। स्पेशल मिल्क शेक का यह नया अंदाज सभी को बहुत रास आएगा।

कई रोगों को हरा सकती है भारतीय कढ़ी, जानिए क्या है कढ़ी के फायदे

अभी कोरोना वायरस महामारी चारों तरफ फैली हुई हैं, इस बीमारी में सर्दी-खांसी, छींक, बुखार आदि होना संभव है। ऐसे समय में हम नित-नए प्रयोग अपनाते रहते हैं, लेकिन कितना कुछ करने के बाद भी हमारी सर्दी-खांसी, छींक आदि जल्दी ठीक ही नहीं होती है। आपके परिवार वाले और आप इस सर्दी से परेशान होते रहते हैं और ये परेशानी दिनोदिन बढ़ती रहती है।

आइए जानते हैं कैसे बनानी है हमें यह भारतीय कढ़ी?

यहां प्रस्तुत है कढ़ी की सामग्री, विधि और सब कुछ। तो बनाइये गरमा-गरम कढ़ी और दूर भगाइए अपनी सर्दी और जल्दी हो जाइए स्वस्थ।

सामग्री:

250 ग्राम ताजा दही, 50 ग्राम बेसन, 1 चम्मच अदरक की प्यूरी, 2 हरी मिर्च, 2 टेबल स्पून घी, 1 चुटकी हींग, कढ़ी पत्ते, 1/2 टी स्पून राई-जीरा, नमक और 2-3 पिसी लौंग, थोड़ा-सा हरा धनिया बारीक कटा हुआ।

।

विधि:

सबसे पहले दही को रवई से फेंटकर उसमें बेसन, नमक, पिसी लाल मिर्च और 2 कप पानी मिलाकर मिक्स कर लें। एक बर्तन में घी गर्म करें। राई-जीरा, कढ़ी पत्ता, अदरक प्यूरी, हरी मिर्च और हींग डालें। राई तड़तड़ाने पर दही-बेसन का घोल डालें और लगातार हिलाते हुए पकाएं।

अब धीमी आंच पर कढ़ी को तब तक पकाएं, जब तक वो अच्छी तरह गाढ़ी ना हो जाएं और उसमें से खुशबू ना आने लगे। लीजिए अब तैयार है स्वादिष्ट भारतीय कढ़ी। अब हरा धनिया ऊपर से डाले और इसे चपाती के साथ गरमा-गरम परोसिए।

फायदे-

अगर आप गरमा-गरम कढ़ी का उपयोग पीने के लिए करते हैं तो आपकी सर्दी बहुत जल्द ही ठीक हो सकती है। यह कढ़ी आपको सर्दी-खांसी, बुखार को जल्दी दूर भगाकर सेहतमंद बनाने में मददगार साबित होगी। कढ़ी में उपयोग किए गए कढ़ी पत्ते में पर्याप्त मात्रा में विटामिन A पाया जाता है जिसकी वजह से यह आपकी आंखों की देखभाल के लिए उपयोगी है। यह शुगर तथा कब्ज की शिकायत दूर करने में भी सहायक है।

टाइम-पास

इन इन दो चित्रों में है 6 अंतर, ढूंढ कर दिखाएं

सुडोकू

सुडोकू खेल में पहले से बॉक्स में कुछ संख्याएँ दी गई होती है जिसमें 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए होते है। इसमें कुछ बॉक्स खाली भी होते है जिन्हें आपको भरना होता है। कोई सा भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

5	3			7				
6			1	9	5			
	9	8					6	
8				6				3
4			8		3			1
7				2				6
	6					2	8	
			4	1	9			5
				8			7	9

उत्तर:- अगले पेज पर

लोटपोट

1)-एक औरत मंदिर में बैठी रो रही थी।
पुजारी - क्या हुआ बेटी?
औरत - बाबा, कल रात मेरे पति गुजर गए।
पुजारी - ओहो... बहुत बुरा हुआ। उन्होंने मरते वक्त कुछ कहा क्या बेटी?
औरत - हां, कह रहे थे 'मेरा गला छोड़ दे डायन'! पुजारी बेहोश!!

2)-साइकिल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला- भाई साहब आप बहुत किस्मत वाले हो।
आदमी (गुस्से में) - एक तो तूने मुझे टक्कर मारी और ऊपर से मुझेकिस्मत वाला कह रहे हो!
साइकिल वाला - देखिए भाई साहब, आज मेरी छुट्टी है तो साइकिल चला रहा हूं, नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं!!!

3)-हॉरर फिल्म में जब लड़की को अजीब-अजीब आवाजें सुनाई देती हैं तो वो ऐसे बोलती है - कौन है वहां??
जैसे कि भूत उनको बोलेगा - अरे मैं हूं.... मैगी बना रहा हूं,खाएगी क्या...!!!

4)-प्रेमी - क्या तुम जानती हो कि संगीत में इतनी शक्ति होती है कि पानी गरम हो सकता है!
प्रेमिका - हां जरूर, क्यों नहीं।जब तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है,तो पानी क्यों नहीं...!!!

समाप्त

मदद करे ...

निरोग रहेगा हिंदुस्तान

खुद को रखे सावधान, निरोग रहेगा हिंदुस्तान
अपनों का रखना ख्याल, सभी है कुटुंब के समान

हमने दिए जलाकर, ज्योति दिल में जगाया
घंटे की ध्वनि सुना के भाव मन में बसाया
करके सभी का सम्मान, संस्कृति का बनेगा पहचान
खुद को रखे सावधान, निरोग रहेगा हिंदुस्तान

है पराया न कोई लोग सारे हैं अपने
मिलकर पूरा करेंगे हमने देखे जो सपने
करके सभी का सम्मान, संस्कृति का बनेगा पहचान
खुद को रखे सावधान, निरोग रहेगा हिंदुस्तान

तनुज कुमार वर्मा
समाप्त

हिंदी पहेलियाँ-बूझो तो जाने

1. अगर प्यास लगे तो पी सकते हो,
भूख लगे तो खा सकते हो,
और अगर ठंड लगे तो जला सकते हो
बोलो क्या है वो?

2. वह कौन सी चीज है जिसका रंग काला है,
वह उजाले में तो नजर अती है,
परंतु अंधेरे में दिखाई नहीं पड़ती,
बोलो क्या है वो

3. कमर बंधे घर में रहती,
सुबह शाम जरूरत है पड़ती,
बताओ क्या?

4. वह कौन सा मुख है जो,
सुबह से लेकर शाम तक,
आसमान की ओर देखता रहता है।

समाप्त

उत्तर

अंतर ढूढो उत्तर:-1. पौधे की एक जड़ कम है, 2. गुलदस्ते में एक पत्ती कम है, 3. क्रिसमस ट्री की ऊंचाई अधिक है, 4. गुफा पर एक पक्षी बैठा है, 5. खरगोश के दो पंजे दिख रहे हैं, 6. जमीन पर पड़ी लकड़ी के अंदर एक जानवर छुपा है।

हिंदी पहेलियाँ-बूझो तो जाने उत्तर-नारियल, परछाई, झाड़ू, सूरजमुखी

5	3	4	2	7	6	9	1	8
6	2	8	1	9	5	3	4	7
1	7	9	3	4	8	5	6	2
8	5	2	7	6	1	4	9	3
4	9	6	8	5	3	7	2	1
7	1	3	9	2	4	8	5	6
9	6	1	5	3	7	2	8	4
2	8	7	4	1	9	6	3	5
3	4	5	6	8	2	1	7	9

पाठकनामा

1. लॉक डाउन 4 में भी सड़क पर ठेला पटरी लगाने वाले लोगों की ओर सरकार का कोई भी विशेष ध्यान नही है। ठेला पटरी व्यवसायी अपना और अपने परिवार को आखिर किस तरह से पाले।

– दीपक देववंशी

2. सब्जियों के लिए मण्डियों में लगने वाली भीड़ हैरान करने वाली है। लॉक डाउन और सरकार के निर्देश के बाद भी लोग सोशल डिस्टेंसिंग को भूल गए है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो वाराणसी में कोरोना के मरीज बहुत अधिक संख्या में बढेंगे।

– राम केवल यादव

3. सर पर टोकरी रखकर हर माल 10 रुपये में बेचने वालों की आवाज आपको सुनाई नही देती होगी। कारण है कि लॉक डाउन में गलियों में घूमकर बेचने की इजाजत तो मिली है मगर ये जानलेवा धूप भी रोजगार की दुश्मन बनी हुई है। लॉक डाउन का दर्द अभी सता ही रहा था कि चिलचिलाती धूप ने सोने पर सुहागे का काम किया है।

– अशोक वर्मा

4. वाराणसी भले ही कोरोना के खतरे से जूझ रहा हो मगर शहर में दिखने वाली गन्दगी कभी समाप्त नही हो सकती। सड़क के किनारे सीवर और मेनहोल से कचड़ा निकालकर सड़को पर दिखना अन्य बीमारियों को न्यौता देता है।

– शिवेश मिश्रा

5. लगातार बढ़ते लॉक डाउन में सरकार कई रियायतें देकर दुकानों को नियमों से खोलने के निर्देश दिए हैं मगर सड़कों पर लोग सोशल डिस्टेंसिंग को ताख पर रखकर महामारी को न्यौता दे रहे है।

– डल्लु भाई

खिलौना व्यवसाइयों को भी मिले...

लकड़ी के कारोबार से जुड़े लोगों ने अपने मन की व्यथा बताते हुए सरकार से मांग की है कि जिस प्रकार सरकार बुनकरों को बिजली में छूट देती है उसी प्रकार यदि लकड़ी के खिलौने बनाने वाले लोगों को बिजली और लकड़ी की खरीद में कुछ छूट दे तो उन्हें भी खाने कमाने के लिए दूसरी जगहों पर भटकना नही होगा।

व्यवसाइयों ने बताया कि पहले से ही लॉक डाउन की मार झेल रहा ये व्यवसाय अब खत्म होने की कगार पर है। इस व्यवसाय में लगभग 10 हजार लोग लगे हुए है और भारत से लेकर विदेशों तक इसकी महत्ता और मांग है।

यदि सरकार पर्याप्त मदत दे तो ये व्यवसाय पहले की तरह फल फूल सकता है।

पावरलूम व्यवसायियों ने सरकार...

यूपी से जो गुजरात और अन्य राज्यों में जाकर साड़ी व्यवसाय के रोजगार में मजदूर का काम करते थे अब उनको उन्हीं के राज्य में साड़ी से जुड़े रोजगार मिल सके इसके लिए बनारसी साड़ी उद्योग के कुछ पदाधिकारियों ने राज्य सरकार से जहां कुछ जमीने मांगी हैं तो वहीं बिजली के बिल को लेकर भी सरकार से नरमी बरतने की अपील की है।

अगर सरकार इनकी मांगों को पूरा कर लेती है तो अपने राज्य और अपने जिले से श्रमिक और मजदूरों को बाहर जाकर रोजगार ढूंढने की जरूरत नहीं होगी।

अगर वह इसी जगह पर रह कर अपने पूर्वांचल यानी बनारस की साड़ी की पहचान को आगे ले जाने के लिए मदद करें तो उत्तर प्रदेश में उद्योग को लेकर ट्रांसपोर्ट को लेकर विदेशों और देश देश में बड़ा व्यापार किया जा सकता है।

अब ऐसे में जरूरत है तो राज्य सरकार की मदद की ताकि बुनकर अपनी बुनकरी के साथ बंद पड़े इस पावर लूम व्यवसाय को वापस से पटरी पर ले आए और इसकी जो आवाज है वह फिर से शहर बनारस की गलियों में गूंजने लगे।

आपको बता दें कि वाराणसी में लगभग 7 लाख लोग पावरलूम के व्यवसाय से जुड़े हुए है। कोरोना के कारण रोजगार बन्द होने और आगामी ईद के अवसर पर पावरलूम व्यवसाय से जुड़े लोगों ने सरकार से ईदी मांगी है कि पावरलूम के रोजगार को चालू करने में अलावा बिजली में छूट के साथ साथ अन्य चीजों में छूट दी जाय।

जूनियर सहवाग' को क्रिकेट की पिच...

खुद भी वीरू नियमित तौर पर आर्यवीर के साथ फिटनेस और बल्लेबाजी सेशन में हिस्सा लेते रहते हैं।

बेटे को विराट कोहली जैसा बनाना चाहते हैं वीरू

वीरू ने कुछ महीने पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि वे चाहते हैं उनके दोनों बेटे आर्यवीर और वेदांत क्रिकेटर बनें, लेकिन वे उन्हें सहवाग जैसे नहीं बल्कि विराट कोहली, एमएस धोनी या हार्दिक पांड्या जैसे क्रिकेटर के तौर पर देखना चाहते हैं। हालांकि वीरू ने ये भी कहा था कि यदि उनके बच्चे क्रिकेटर नहीं बनना चाहेंगे तो वे उन पर कभी दबाव नहीं बनाएंगे, क्योंकि ये पूरी तरह उन दोनों की इच्छा का मामला है।

फैंस को दिखती है वीरू की झलक

हालांकि भले ही वीरू अपने बेटे को विराट कोहली जैसा बनाना चाहते हों, लेकिन उनके फैंस को तो आर्यवीर की बल्लेबाजी में वीरू की ही झलक दिखाई देती है। खासतौर पर आर्यवीर के स्क्वायर कट को देखकर फैंस को वीरू के फेमस कट की याद आ जायेगी। वैसे भी भारत में कहावत है कि "बाप पर पूत, नस्ल पर घोड़ा, बहुत नहीं तो थोड़ा-थोड़ा।" ऐसे में वीरू की झलक आर्यवीर में कहीं तो दिखनी ही है यानी मानकर चलिए कि भारतीय क्रिकेट को एक और सहवाग जल्द ही मिलने जा रहा है।

विज्ञापन हेतु!

विज्ञापन और अपने पते पर मैगज़ीन प्राप्त करने के लिए 09807505429, 08924881010 पर संपर्क करें!

आवश्यकता है!

FIVE PRODUCTIONS के अंतर्गत बनने वाली शॉर्ट फिल्म्स में अभिनय के लिए 09807505429, 08924881010 पर संपर्क करें!

आवश्यकता है!

न्यूज़ बकेट मार्केटिंग टीम का हिस्सा बनने के लिए 9807505429 पर संपर्क करे।

आप हमें अपना बायो-डाटा m@fivealphabets.com पर भी भेज सकते है।

GAMETE

GAMETE HEALTHCARE PVT LTD

AN ISO 9001:2015 & GMP CERTIFIED COMPANY

A wide range of :

Tablets | Capsules | Syrup | Injectables
Dry Syrups | Soft Gel | Capsules
Oral Liquids | Ointments Gel | Nasal Drops
Eye & Ear Drops | Suspensions | Beta-Cap etc

- **Excellent Packing and full Support of promotional inputs.**
- **Manufacturing pharmaceuticals products for multiple therapeutic fields.**
- **Company operates in compliance with WHO : GMP certification and customer satisfaction mean the most to us.**

For further details contact at :

Shop No. 3, Mira Gavthan Road, Distt. Thane, M.S.O. Mumbai

✆ 9415812557, 9415812001

खमरिया हास्पिटल

(ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित)

आलोक नगर, हास्पिटल रोड, खमरिया, भदोही

(एलोपैथिक, होमियोपैथिक एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधायुक्त)

मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करावें जीवन खुशहाल बनावें ।

विवेक मौर्य
मो.: 8874020504

रामधनी मौर्य
Mo. 9415625292

आँख का ऑपरेशन प्रतिदिन होता है

1. बिना टांके के मोतियाबिन्द का ऑपरेशन –

50 रूपये के पर्चे पर सभी जांच के बाद पामा, एस्फेरिक, स्क्वायरएज लेंस से मात्र 2500 रूपये में करावें। ऑपरेशन के बाद एक माह की दवा मुफ्त और 250 से 400 रूपये में चश्मे की सुविधा। मरीज एवं एक साथी को खाने एवे रहने की सुविधा मुफ्त।

2 आधुनिक फेको मशीन द्वारा मोतियाबिन्द का ऑपरेशन–

50 रूपये के पर्चे पर सभी जांच के बाद आधुनिक इनफीनिटी फेको मशीनों द्वारा फोल्डेबुल इण्डियन लेंस के साथ सभी खर्चे सहित। (1) हाइड्रोफिलिक लेंस से 5000 रूपये में (2) हाइड्रोफोबिक लेंस से 8500 रूपये में।

3. फोल्डेबुल विदेशी हाइड्रोफोबिक लेंस के साथ सभी खर्चे सहित (1) मात्र 11000 रूपये में लेंस (2) मात्र 14000 रूपये में सिंगल पीस लेंस से (3) मात्र 16000 रूपये में लेंस नेचुरल एलो से।

4. नान कान्ट्रेक्ट टोनोमीटर मशीन द्वारा आंख के प्रेशर (टेन्शन) की जांच फ्री में।

5. ऑटोरिफ्रेक्टो मीटर मशीन द्वारा चश्मा जांच फ्री में।

6. ए–स्कैन द्वारा लेंस के पावर की जांच मात्र 100 रूपये में।

7. याग लेजर द्वारा आंख की झिल्ली काटने की सुविधा मात्र 500 रूपये में।

8. लेंस स्टार मशीन से लेंस के पावर की जांच 500 रूपयें में । फेको आपरेशन मे फ्री।

9. ओ.सी.टी. मशीन की सुविधा 500 रूपये में उपलब्ध।

अन्य सुविधाएं-

1. नाक, कान एवं गला रोग ओ.पी.डी. एंव ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध। (दिन– गुरूवार व शनिवार)
2. जनरल– ओ.पी.डी. एवं आपरेशन की सुविधा उपलब्ध। (दिन–बुधवार, शुक्रवार)। लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध
3. हड्डी रोग– ओ.पी.डी. एवं आपरेशन में सी–आर्म व डिजिटल एक्स–रे की सुविधा। (दिन–मंगलवार)
4. महिला रोग ओ. पी.डी. एवं आपरेशन की सुविधा उपलब्ध। (दिन– शनिवार)
5. दांत रोग के जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध।
6. होमियोपैथिक चिकित्सक (सोमवार से शनिवार)
7- आयुर्वेदिक चिकित्सक (मंगलवार, वृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार)

मोतियाबिन्द क्या है ?

प्राकृतिक लेंस का झाई युक्त (धुंधला) होना मोतियाबिन्द कहलाता है। यह उम्र बढ़ने के साथ ही एक सामान्य प्रक्रिया है। बच्चों में मोतियाबिन्द के अलग–अलग कारण होते हैं। कोई इलाज, दवा अथवा किसी प्रकार का खान–पान मोतियाबिन्द का बनना नहीं रोक सकता है। प्राकृतिक लेंस के स्थान पर कृत्रिम लेंस लगाना ही इसका कारगर समाधान है।

मोतियाबिन्द के लक्षण-

1. बिना दर्द के धुधला दिखना
2. तेज रोशनी में चमक व दृष्टि का कम होना
3. एक वस्तु को दो जगह देखना
4. रंगों की चमक कम होना
5. बार-बार चश्में का पावर बदलना

इलाहाबाद गोपीगंज ← माधोसिंह जी0टी0 रोड औराई → वाराणसी

माधोसिंह से मिर्जापुर

इलाहाबाद | अहिमनपुर स्टेशन | रेलवे लाइन | माधोसिंह स्टेशन | वाराणसी

नोट: अभी तक अस्पताल की अन्यत्र कोई भी शाखा नहीं है

इलाहबाद से खमरिया हॉस्पिटल 82 कि.मी.
वाराणसी से खमरिया हॉस्पिटल 55 कि.मी.
चेतगंज से खमरिया हॉस्पिटल 03 कि.मी.

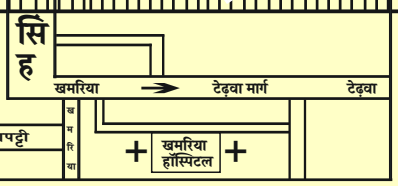

औराई से खमरिया हॉस्पिटल 05 कि.मी. दूर

माधोसिंह रोड से खमरिया हॉस्पिटल 03 कि.मी. दूर

अहिमनपुर से खमरिया हॉस्पिटल 01 कि.मी. दूर